ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमी - अष्टमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 322 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
20 मई 2025 मंगलवार

आज का मौसम
36 अधिकतम
27 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह के मामले में भेदभाव क्यों?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

पाकिस्तान के खिलाफ मिनी वार जीतने के बाद मंत्री विजय शाह और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सहित भाजपा नेताओं ने भारत की बेटी कर्नल सौफिया कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी को लेकर मध्य प्रदेश में बवाल मचा, लगभग उसी वक्त मीडिया के सामने सौफिया के साथ मोर्चा संभाल रही विंग कमांडर व्योमिका सिंह की सपा नेता ने भी बेहद अभद्र और कानून के लिहाज से गैर जमानती अपराध वाली टिप्पणी की। लेकिन सौफिया के मामले में अदलातों से लेकर विपक्ष ने भाजपा को घेरा पर व्योमिका के अपमान पर विपक्ष, अदालत से लेकर यूपी के तेजतर्रार कहे जाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सख्ती के बजाए गंभीरता के संदेश देते दिखे।

देश की एकता को तार-तार करने वाली टिप्पणी समाजवादी पार्टी के नेता जो पार्टी के थिंकर भी कहे जाते हैं, प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने सौफिया कुरैशी की साथी सैन्य प्रवक्ता विंग कमांडर व्योमिका सिंह को लेकरबेहद विवादित बयान दिया। लेकिन मप्र के नेताओं की सौफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर जमकर बवाल करने वाले कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने दलित विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर अभद्र और आपराधिक टिप्पणी पर चुप्पी साध ली। हैरत तो यह यह है कि अभी भी कोई कुछ कहने और करने को तैयार नहीं है।

यादव ने मुरादाबाद के बिलारी कस्बे में अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने वाली भारत की दूसरी बेटी व्योमिका सिंह की जाति को लेकर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की उन्हें हरियाणा के जाटव समाज से डुड़ा बताने के साथ व्योमिका की जाति का मजाक उड़ाया। ये ऐसे शब्द हैं जो पहले की भारतीय पैनल कोड और ताजा भारतीय न्याय संहिता के दायरे में आते हैं। यादव यहीं नहीं रूके। उन्होंने यह भी कह डाला कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत है वह यादव, मुस्लिम और दलित समाज की जीत है। यानि बाकी किसी का कोई योगदान नहीं रहा। उनका यह पैंतरा राजनीतिक और देशहित के खिलाफ था।

भाजपा के प्रति आक्रामकता दिखाने वाले विपक्षी दलों की चुप्पी तो समझ में आती है। लेकिन मप्र की तरह न तो उत्तर प्रदेश की हाईकोर्ट ने इस मामले में कार्रवाई के कोई दिशानिर्देश दिए और न यूपी के बुलडोजर बाबा ने कोई सख्त कदम उठाए। योगी जी का एक ट्वीट भी जारी हुआ जो मुख्यमंत्री की हैसियत वाला कम संतो की भाषा से भरा था। योगी ने एक्स पर कहा 'यद्धिपि समाजवादी पार्टी से किसी आदर्श आचरण की उपेक्षा करना व्यर्थ है। किंतु सभ्य समाजउनके अशोभनीय एवं अभद्र वक्तव्यों को सहन नहहीं कर सकता। सपा के शीर्ष नेतृत्व को चाहिए कि वे अपने सोशल मीडिया हैंडल्स की भलिभांति समीक्षा करें तथा यह सुनिश्चित करें कि प्रयुकत होने वाली भाषा गरमिामय हो' यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने भी योगी तरह सपा को सुझाव देकर अपने कर्तव्यों की पूर्ति कर डाली। यूपी महिला आयोग की पदाधिकारी और मुलायम सिह परिवार की बहू अपर्णा यादव ने जरूर इसकी आलोचना करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की? यूपी के आम्बेडकर समाज ने भी कार्रवाई की। लेकिन कार्रवाई को लेकर यूपी सरकार से लेकर केंद्र तक सभी मौन है।

सवाल यही है कि यदि इस देश में मुस्लिम समाज की बेटी कर्नल सौफिया कुरैशी का सम्मान है तो दलित समाज से ताल्लुक रखने वाली विंग कमांडर और भारत की बेटी को इस सम्मान के सम्मान की चिंता किसी को नहीं? उसे वही सम्मान पाने का कोई हक नहीं? क्या उनके खिलाफ बोली गई अत्यंत आपत्जिनक भाषा को लेकर कोई कार्रवाई नहीं होगी? विश्व बिरादरी के सामने देश की एक और दलित से लेकर मुस्लिम तक सभी एक हैं वाले नरेंद्र मोदीजी के संदेशों की इससे धज्जियां नहीं उड़ी हैं? अगर व्योमिका के अपमान को लेकर सरकार और विपक्षी दलों का यही रवैया रहा तो पूरे देश ही नहीं दुनिया में प्रतिकूल संदेश ही जाएगा।

मालवी पगड़ी पहन कुर्सियों पर नहीं, गादी व तख्त पर बैठी मोहन मंत्रिपरिषद

विरासत व विजन मेट्रोपॉलिटन, 80 साल बाद कैबिनेट बैठक @ राजवाड़ा

इंदौर दोपहर मेट्रो, एजेंसी।

एतिहासिक राजवाड़ा से देवी अहिल्या ने जनविकास व सुशासन की जो नींव रखी थी, उसी जगह आज मप्र की 'मोहन सरकार का दरबार' पहली बार लगा है। आज राजवाड़ा में कैबिनेट बैठक हो रही है। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। इससे पहले कैबिनेट बैठक में भाग लेने के लिए सीएम मंत्री खास अंदाज में पहुंचे और खास अंदाज में स्वागत भी हुआ। इस आयोजन के लिये राजवाड़ा को लंबे अरसे बाद दुल्हन की तरह सजाया गया है। राजवाड़े के आंगन में रंग-बिरंगी पताकाएं और फूलों के वंदनवार लगे हैं, कालीन भी बिछाया गया है। खास बात यह है कि होलकर दरबार की तर्ज पर मुख्यमंत्री व मंत्रिमंडल के सदस्य मालवी पगड़ी पहन कुर्सियों पर नहीं, गादी व तख्त पर बैठकर प्रदेश के विकास व जनहित मुद्दों पर निर्णय ले रहे हैं। यह बैठक राजवाडे के गणेश हाल में हो रही है, जहां देवी अहिल्या की चरण पादुका और बचपन से होलकर राजवंश की गद्दी संभालने की कहानी बताते चित्र हैं।

जानकार सूत्रों के अनुसार बैठक में 'मप्र मेट्रोपॉलिटन नियोजन एवं विकास अधिनियम 2025' पेश किया जा रहा है। बैठक में ओंकारेश्वर में अद्वैत लोक (आदि शंकर संग्रहालय) के निर्माण के लिए 2200 करोड़ रुपए की मंजूरी का प्रस्ताव भी है। इसके अलावा प्रदेश के विजन डाक्यूमेंट 2047 पर आठ समूहों में चर्चा होगी। इससे पहले राजवाड़ा में 1945 में यशवंतराव तृतीय ने आखिरी बार यहां मंत्री परिषद की बैठक की थी।

सराफा में टीम यादव

इंदौर में राजवाड़ा में बैठक के लिये सीएम यादव कल ही पहुंच गये थे। देर शाम को कैबिनेट के साथ सीएम ने प्रमुख विकासात्मक निर्णयों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया फिर लता मंगेशकर सभागृह पहुंचकर कैबिनेट संग मांअहिल्या के जीवन प्रसंग पर आधारित नाट्य मंचन देखा। इसके बाद वे देर रात मशहूर स्थल सराफा चौपाटी पहुंचे और व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

सीएम बोले- इंदौर के लिए कई सौगातें

■ सीएम डॉ. यादव ने कहा, होलकर साम्राज्य के संस्थापक मल्हार राव होलकर, अहिल्या माता और यशवंत राव जी, ऐसे कई इतिहास को समेटे इंदौर की इस महानगरी में न सिर्फ कैबिनेट कर रहे हैं, बल्कि उससे बढ़कर के महाराज होलकर की स्मृति में लालाबाग के जीर्णोद्धार के लिए 40 करोड़ रुपए से ज्यादा के निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया है। आज अहिल्या माता की तिथि के हिसाब से पुण्यतिथि है, मल्हारराव होलकर की पुण्यतिथि है, अहिल्या माता के विवाह की वर्षगांठ है। इस अवसर पर हमने कई सौगातें दी हैं।मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा, माता देवी अहिल्या बाई की कोई तुलना नहीं है। हमें उनके जीवन से सीखना चाहिए। हम महेश्वर भी गए थे कैबिनेट के लिए तब भी यही कोशिश थी कि हम कुछ सीखकर यहां से जाएं।

सुप्रीम सुनवाई में जोरदार दलीलें वक्फ कानून पर अंतरिम आदेश!

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट में आज वक्फ (संशोधन) अधिनियम की सांविधानिक वैधता को चुनौती वाली याचिकाओं पर सुनवाई जारी है। कोर्ट इस मामले में अंतरिम आदेश पारित कर सकता है। वहीं केरल सरकार ने इन याचिकाओं में हस्तक्षेप करने के लिए भी सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उसने कहा है कि संशोधन मूल वक्फ अधिनियम, 1995 के दायरे से भटक गया है। वक्फ संपत्ति रखने वाली इसकी मुस्लिम आबादी को वास्तविक आशंका है कि संशोधन संविधान के तहत उनके मौलिक अधिकारों को प्रभावित करेगा और उनकी वक्फ संपत्तियों की प्रकृति को बदल देगा। आज संवैधानिक वैधता मामले में सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अंतरिम आदेश पारित करने के लिए पहचाने गए तीन मुद्दों पर सुनवाई को सीमित करने का अनुरोध किया। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि तीन मुद्दों में अदालतों द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या विलेख द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और वक्फ कानून का विरोध करने वाले अन्य ने कहा कि कोई भी सुनवाई टुकड़ों में नहीं हो सकती। सिब्बल ने दलील दी कि वक्फ (संशोधन वक्फों की रक्षा के लिए बनाया गया है, लेकिन वास्तव में यह एक गैर-न्यायिक, कार्यकारी प्रक्रिया के माध्यम से वक्फ पर कब्जा करने के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि वक्फ अल्लाह को दिया गया दान है और इसके अनुसार संपत्ति को हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है। ज्ञात हो कि इससे पहले सीजेआई जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 15 मई को सुनवाई 20 मई तक टाली थी।

एशिया कप में नहीं खेलेगी टीम इंडिया!

रेंज में पूरा पाकिस्तान, अब क्रिकेट स्ट्राइक की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत और पाकिस्तान के बीच बॉर्डर पर सीजफायर हो गया, लेकिन अब बीसीसीआई ने पाकिस्तान क्रिकेट पर स्ट्राइक शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि टीम इंडिया 3 महीने बाद होने वाला एशिया कप नहीं खेलेगी और न ही होस्ट करेगी। हालांकि अभी इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। अगर टीम इंडिया पीछे हटती है, तो एशिया कप ही रद्द हो सकता है। बोर्ड का यह फैसला पाकिस्तान क्रिकेट को अलग-थलग करने की कोशिश माना जा रहा है। दरअल पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष हैं। वे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय क्रिकेट टीम ऐसे टूर्नामेंट में नहीं खेल सकती, जिसका आयोजन एक पाकिस्तानी मंत्री की अध्यक्षता वाली संस्था कर रही हो। भारतीय सेना ने कहा है कि भारत के पास इतनी ताकत है कि वह पाकिस्तान के किसी भी हिस्से को निशाना बना सकता है। डिफेंस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान ने कहा- चाहे पाकिस्तानी सेना अपना मुख्यालय रावलपिंडी से हटाकर खैबर पख्तूनख्वाह तक कहीं और क्यों न ले जाए, वह हमारी रेंज में ही रहेगा। यह बात उन्होंने एक न्यूज एजेंसी से कही है।

एयरक्राफ्ट मामला : भाजपा ने राहुल की तुलना मीर जाफर से की

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस द्वारा पाकिस्तान से संघर्ष के दौरान विमान गंवाने वाले सवाल से तिलमिलाकर आज भाजपा ने पलटवार किया है। अब भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तुलना मीर जाफर से कर दी है। भाजपा आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने कहा कि यह चौंकाने वाला नहीं है कि वह बार-बार पूछ रहे हैं कि हमने कितने एयरक्राफ्ट गंवा दिए जबकि इस सवाल का जवाब डीजीएमओ की ब्रीफिंग में पहले से दिया जा चुका है। मालवीय ने कहा कि राहुल ने एक बार भी ये जानने की कोशिश नहीं की कि इस संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के कितने जेट मार गिराए गए या फिर कितनों को नष्ट किया गया। मालवीय ने राहुल का एक फोटो भी जारी किया जिसमें आधा चेहरा उनका है आधा चेहरा पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर का है।

विधायकों के फंड में जबर्दस्त कटौती

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में सत्ता परिवर्तन के बाद परिवर्तनों का दौर चल रहा है। रेखा गुप्ता सरकार ने अब विधायकों के लिए लोकल एरिया डेवलपमेंट (एलडीए) फंड पर कैंची चला दी है। अब विधायकों की विकास निधि 15 करोड़ से घटाकर 5 करोड़ कर दिया है। आदेश के मुताबिक हर विधानसभा क्षेत्र के लिए विधायक निधि को पांच करोड़ रुपये वार्षिक करने का निर्णय कैबिनेट मीटिंग में लिया गया था। कैबिनेट का यह फैसला चालू वित्त वर्ष से लागू होगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि यह एक अनटाइड फंड है।

मेट्रो एंकर | आईपीएल का जबर्दस्त तनाव और दबाव मैदान पर आ रहा नजर

अंपायर को आंख दिखा रहे खिलाड़ी, तो कोई चोटी पकड़कर दूसरे को पीटने तक की धमकी दे रहा...!

नई दिल्ली, एजेंसी।

आईपीएल एक अंतराल के बाद फिर शुरू हुआ है और टीमों के खिलाड़ियों पर आखिरी दौर में पहुंचने का तनाव दबाव कितना है यह नजर आने लगा है। दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव का गुस्सा गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन के खिलाफ एलबीडब्ल्यू अपील पर अंपायर के फैसले के बाद इस तरह फूटा कि हर कोई अब उनकी आलोचना कर रहा है। यह बात अभी लोग भूले नहीं थे कि अब अभिषक शर्मा व द्विग्नेश राठी के बीच हाथापाई की नौबत इस टूर्नामेंट के तनाव की कहानी कह रही है। अभिषेक को आउट करने के बाद दिग्वेश ने फिर वही नोटबुक सेलिब्रेशन किया था जिसके लिए उन पर दो बार जुर्माना लग चुका है। अब उन पर एक मैच का बैन व मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगा है।

दरअसल बीती रात सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपरजायंट्स के बीच मैच में दो खिलाडियों के बीच मामला हाथापाई तक पहुंच गया। हैदराबाद की पारी में शानदार बैटिंग कर रहे अभिषेक शर्मा को लखनऊ के युवा स्पिनर दिग्वेश राठी ने फिरकी में फंसाकर कैच आउट करा दिया। अभिषेक ने 20 गेंदों पर 59 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी। मगर आउट करने के बाद राठी ने जब अपने सिग्नेचर स्टाइल में जोश में जश्न मनाया तो अभिषेक नाराज़ हो गए तथा पवेलियन लौटते समय राठी की ओर गुस्से में इशारा किया और बहस शुरू कर दी। बहस इतनी तेज हो गई कि दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे की ओर बढ़ने लगे और आमने-सामने आ गए। अंपायर व अन्य को बीच में आकर दोनों को अलग करना पड़ा।

दूसरे खिलाड़ियों ने किया बीच बचाव

इससे पहले गुजरात व डीसी के बीच मैच में कुलदीप यादव की नाराजगी चर्चा में थी। अंपायर ने उनकी अपील को नामंजूर कर दिया था। इसके बाद कुलदीप ने मैदान पर ही अंपायर को फटकार लगा दी। घटनाक्रम तब हुआ जब कुलदीप ने पारी के 8वें ओवर की पहली गेंद पर अपनी गुगली से सुदर्शन को चकमा दिया। डीसी के खिलाड़ियों ने जोरदार अपील की, लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। रीप्ले में दिखा कि गेंद लेग स्टंप को बस छू रही थी। इसे अंपायर कॉल माना गया। अंपायर के इस फैसले से सुदर्शन बच गए। कुलदीप को यह बात पसंद नहीं आई और उन्होंने अंपायर से जाकर बात की। वह अंपायर के फैसले से नाराज थे। अक्षर पटेल ने कुलदीप को शांत किया। फाफ डु प्लेसिस भी मामले को समझने के लिए दौड़कर आए। अब अगर कुलदीप आईपीएल की 'आचार संहिता' का उल्लंघन करते हुए पाए जाते हैं, तो उन पर भारी जुर्माना भी लग सकता है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो के साथ एक यूजर ने लिखा- कुलदीप यादव बनाम अंपायर, इंटरनेशनल खिलाड़ी कुलदीप कुछ ऐसे भद्दे शब्द कहते दिख रहे हैं, जिसकी उम्मीद नहीं थी।

भारत-पाकिस्तान तनाव : साइबर हमलों की आशंकाओं से बचाने के जतन

ट्रेनिंग लेकर लौटे मप्र के साइबर कमांडो, फायरवॉल की तरफ खड़े रहेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पाकिस्तान से चल रहे तनाव के बीच साइबर हमलों की आशंकाओं के चलते सूबे में साइबर सुरक्षा ज्यादा मजबूत की जा रही है। मप्र के 5 साइबर कमांडो यानि सब इंस्पेक्टर अब आईआईटी कानपुर में छह महीने की स्पेशल ट्रेनिंग पूरी कर लौट आए हैं। एक अन्य की ट्रेनिंग मई में पूरी होगी।

ये कमांडो अब प्रदेश को साइबर हमलों से बचाने के लिए फायरवॉल की तरह खड़े रहेंगे। जानकारी के मुताबिक केंद्र के इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर (आई-4सी) के तहत पहले बैच में देशभर से 346 कमांडो तैयार किए हैं। राज्य साइबर सेल के एडीजी ए साईं मनोहर के मुताबिक देश में ऐसे 5 हजार कमांडो तैयार करने का लक्ष्य है।

बताया जाता है कि इस दस्ते को क्रिमिनल्स की धरपकड़ के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल के उपयोग का तरीका कमांडो को बताया गया है। देश और प्रदेश के बड़े विभागों के सर्वर को सुरक्षित रखने के लिए यह कमांडो साइबर ऑडिट करेंगे तथा मौजूदा सॉफ्टवेयर की उपयोगिता व जरूरी सुधार सुझाएंगे साइबर हमले रोकने फायरवॉल मजबूत करेंगे। फायरवॉल नेटवर्क स्तर पर काम करता है। इसकी कोडिंग को पुख्ता करेंगे।

भोपाल साइबर क्राइम विंग ने पहली बार शुरू की पेट्रोलिंग

दूसरी तरफ आम लोगों को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए भोपाल साइबर क्राइम विंग ने पहली बार साइबर पेट्रोलिंग शुरू की है। इसमें फर्जी वेबसाइट (क्लोन कर दूसरी बनाना), फेक सोशल मीडिया अकाउंट और फर्जी एप चिह्नित करने का काम टीम कर रही है। इसके लिए साइबर विंग ऑफिस और थानों में बनी साइबर हेल्प डेस्क पर आ रहीं शिकायतों का सहारा लिया जा रहा है। दरअसल ठग अल्फाबेट में हेराफेरी कर असली वेबसाइट क्लोन कर नकली वेबसाइट बना देते हैं। इंटरनेट पर सर्च करते समय कई बार लोग इन अल्फाबेट पर ध्यान नहीं देते और क्लोन वेबसाइट पर क्लिक कर देते हैं। उनके जाल में फंसकर लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। बताया जाता है कि अब तक 100 से ज्यादा संदिग्ध वेबसाइट और एप चिह्नित किए गए हैं। इन सभी को ब्लॉक कराने की सूची केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी है। उल्लेखनीय है कि साइबर पुलिस की टीम इंटरनेट पर लगातार सर्चिंग करती है। इसमें फर्जी वेबसाइट और एप की पहचान के लिए फिल्टर लगाए जाते हैं। साथ ही इनकी पहचान की-वर्ड सर्च और शिकायत के आधार पर होती है। डोमेन के आधार पर इन्हें ब्लॉक कराया जाता है।

अतिथि शिक्षकों की जानकारी अद्यतन की समय-सारणी जारी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षक पोर्टल (जीएफएमएस) पर आवेदकों को नवीन पंजीयन एवं पूर्व से पंजीकृत आवेदकों को अपनी शैक्षणिक और व्यावसायिक योग्यताओं की प्रविष्टि और संशोधन के निर्देश दिए थे। इस संदर्भ में लोक शिक्षण संचालनालय ने समय-सारणी जारी की है। अतिथि शिक्षक एजुकेशन पोर्टल 3.0 के अंतर्गत जीएफएमएस पर नियत समय अवधि पर कार्यवाही करेंगे। अतिथि शिक्षक आवेदकों द्वारा अपनी शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता और मध्यप्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा से संबंधित दस्तावेज 23 मई तक अपलोड कर सकेंगे। इसके साथ ही 23 मई तक ही आवेदक की जानकारी में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर ई-केवाईसी अनलॉक कर अपडेट कर सकेंगे।

आवेदकों के पंजीयन में दर्ज जानकारी कर संकुल प्राचार्य द्वारा सत्यापन का कार्य 24 मई को किया जाएगा। पूर्व में पंजीकृत आवेदन में दर्ज मोबाईल नम्बर बंद हो जाने की स्थिति में मोबाईल नम्बर परिवर्तित करने का कार्य बीईओ और डीईओ के माध्यम से 23 मई को ही किया जाएगा। अतिथि शिक्षकों के संबंध में सामान्य निर्देश भी दिये गये है। जिन आवेदकों द्वारा मध्यप्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा 2018 एवं उसके उपरांत उत्तीर्ण की है। ऐसे आवेदकों द्वारा दिव्यांग केटैगिरी का चयन (विकल्प) को दर्ज किया गया है।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर अमर्यादित टिप्पणी करने का मामला

इस्तीफे पर मौन दोनों तरफ, मगर अंदरूनी कोलाहल ! 28 का इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद विजय शाह की कैबिनेट में मौजूदगी जारी रहने पर कल से अटकलों का दौर है। माना जाता है कि शाह ने इस्तीफा देने से पहले ही इंकार कर दिया था, वे अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर भी चिंतित बताए जाते हैं। भाजपा में कोर्ट के रूख के इंतजार की बात कर रही थी लेकिन अब गिरफ्तारी का खतरा टल जाने से भाजपा ने मौन बना लिया है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि शाह की गिरफ्तारी पर रोक है, इसलिए इस्तीफा मांगने का सवाल ही पैदा नहीं होता क्योंकि सरकार पहले ही साफ कर चुकी है कि कोर्ट का जो आदेश होगा, वो मान्य होगा। यानी अब विजय शाह को लेकर क्या फैसला लेना है ये 28 मई को एसआईटी की रिपोर्ट के बाद तय होगा। शाह की विवादित टिप्पणी पर 14 मई को हाईकोर्ट ने स्वत- संज्ञान लेते हुए डीजीपी को एफआईआर दर्ज करने के लिए कहा था। शाह इसी एफआईआर को रद्द कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट गए थे। उधर भाजपा के अंदरखानों में मंत्री शाह व देवडा तथा विधायक प्रजापति के बयानों से खलबली है। दरअसल पार्टी हाइकमान इसलिये अवाक और नाराज है क्योंकि इन भाजपा नेताओं ने सारे बयान स्व विवेक से दिए हैं। उनसे किसी ने भी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल नहीं पूछा था। लिहाजा संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने दो दिन पहले मप्र के नताओं से वर्चुअल मीटिंग की थी। इसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा और पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल भी इसमें जुड़े। बताते हैं कि विजय शाह को भी मीटिंग में जुड़ने के लिए कहा गया था, लेकिन वो नहीं जुड़े। मीटिंग 40 मिनट तक चली। नेताओं को मर्यादित बयान देने की सख्त नसीहत दी गई।

शाह ने दी थी चुनौती | मंत्री विजय शाह ने 12 मई को महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताया था। इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश पर मंत्री के खिलाफ 14 मई को महू के मानपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसके खिलाफ विजय शाह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

अग्निपरीक्षा : जांच के लिए तीन आईपीएस का दस्ता तैयार

भारतीय सेना में कर्नल सोफिया कुरैशी पर अमर्यादित बयान देने वाले कैबिनेट मंत्री विजय शाह के मामले में जांच के लिए एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) का गठन कर दिया गया है। कल दोपहर सुप्रीम कोर्ट ने इसके आदेश दिए थे इसके बाद देर शाम डीजीपी कैलाश मकवाना ने जांच के लिए एसआईटी का गठन कर इसका आदेश जारी कर दिया। तीन सदस्यीय एसआईटी में प्रमोद वर्मा, आईजी सागर जोन, कल्याण चक्रवर्ती, डीआईजी एसएएफ तथा वाहिनी सिंह एसपी, डिंडौरी शामिल हैं। ये तीनों आईपीएस अधिकारी विजय शाह मामले की जांच करेंगे। उल्लेखनीय होगा कि कोर्ट ने भी जांच पर करीबी से नजर रखने की बात कही है तथा इसे अग्निपरीक्षा की तरह बताया है। उल्लेखनीय है कि प्रमोद वर्मा 2001 बैच के आईपीएस हैं। 2022 में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने उत्कृष्ट सेवा पदक मिला था जबकि ल्याण चक्रवर्ती, 2010 बैच के आईपीएस हैं और वे केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर भी काम कर चुके हैं। 2020 में उन्हें सीबीआई में एसपी बनाया गया था। वे दतिया, खरगोन के एसपी भी रह चुके हैं। इसी तरह वाहिनी सिंह, 2014 बैच की आईपीएस अफसर हैं तथा मूल रूप से राजस्थान की रहने वाली हैं ।

अब सप्रे संग्रहालय में डिजिटल लाइब्रेरी , मंत्री बोले

धरोहरों के समृद्ध होने से बढ़ता है समाज का गौरव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

संग्रहालय और शिक्षण संस्थान किसी भी शहर की धरोहर होते हैं, इनका समृद्ध होना समाज के गौरव को बढ़ाता है। यह बात माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय में रविवार को डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन करते हुए नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कही। विजयवर्गीय ने कहा कि मौजूदा वक्त में नौजवान पीढ़ी के लिए डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा बहुत उपयोगी है।

इस अवसर पर संग्रहालय की स्थापना से लेकर अब तक के सफर में मददगार संस्थाओं और हस्तियों का सम्मान भी किया गया। इनमें शिवकुमार अवस्थी, स्व. सुरेश शर्मा, स्व. शौकत रमूजी के उल्लेखनीय योगदान के लिए उनके परिजनों को सम्मान पत्र दिए गए। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने ने कहा कि विजयदत्त श्रीधर ने अपनी लगन से भोपाल शहर को एक अमूल्य धरोहर दी है, जिसका लाभ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों को निरंतर मिलता रहेगा। भारतीय स्टेट बैंक ने सीएसआर फंड से इस लाइब्रेरी के लिए धन मुहैया कराया है।

संस्थान के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान पुस्तकालय सेवा के 3 प्रारूप में कार्यरत है। पत्रकार एवं पाठक वर्ष 1984 से इसका लाभ उठा रहे हैं। डिजिटल लाइब्रेरी में संग्रहालय के 20 लाख दुर्लभ दस्तावेजों और पुराने जर्जर पृष्ठों का डिजिटलीकरण हुआ है। अब तक यहां से 1240 शोधार्थियों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों से पीएचडी एवं डी.लिट्. की उपाधियां अर्जित की हैं। संग्रहालय में बिजली की बचत के लिये 10 किलोवाट क्षमता क सौर ऊर्जा पैनल भी लगाए गए है।

सेवासदन के 39वें दृष्टि जांच केन्द्र का करोंद में लोकार्पण

जीवन में हमेशा अध्यात्म के साथ सेवा कार्यों को प्राथमिकता दी: सारंग

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने करोंद में सेवासदन के 39वें दृष्टि जांच केंद्र का लोकार्पण किया। सारंग ने कहा, संत हिरदाराम जी ने अपने जीवन में हमेशा अध्यात्म के साथ सेवा कार्यों को प्राथमिकता दी और समाज को इसी मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। श्री सारंग ने संत हिरदारामजी को भोपाल के महान संतों में अग्रणी बताते हुए कहा कि उनका नाम सदैव आदर से लिया जाएगा।

केंद्र के पहले ही दिन 107 रोगियों ने अपनी आंखों की मुफ्त जांच कराई, जिनमें 33 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया। इन सभी का ऑपरेशन मंगलवार को सेवा सदन अस्पताल में किया जाएगा, जबकि अन्य 56 लोगों को मुफ्त आई ड्रॉप्स दी गईं। यह जांच केंद्र प्रतिदिन (रविवार को छोड़कर) सुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और दोपहर 2:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुला रहेगा। यहां ओपीडी जांच शुल्क प्रति व्यक्ति 50 रुपये रखा गया है।

जांच केंद्र के उद्घाटन पर संतजी के उत्तराधिकारी एवं सेवा सदन के चेयरमैन सिद्धभाऊजी ने शुभकामनाएं भेजीं। सेवा सदन के मैनेजिंग ट्रस्टी ए.सी साधवानी और ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी ने जांच केंद्र की स्थापना के उद्देश्य और अस्पताल द्वारा पिछले 38 वर्षों में किए गए कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सेवासदन के डायरेक्टर कुशल धर्मानी ने किया। इस अवसर पर सीनियर हॉस्पिटल मैनेजर भारती जनयानी, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव हीरा थानवानी, ऑप्टोमेट्रिस्ट और अन्य स्टाफ भी मौजूद थे। आभार प्रदर्शन मैनेजिंग ट्रस्टी ए.सी साधवानी ने किया।

स्लीपर से एसी तक जा सकेंगे मुसाफिर

अब तीन सौ ट्रेनों में सात हजार से ज्यादा रिजर्व टिकट होंगे अपग्रेड

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए रिजर्व टिकट अपग्रेडेशन का दायरा बढ़ा दिया है। अब स्लीपर श्रेणी का टिकट सेकंड एसी तक अपग्रेड हो सकेगा। वहीं, अपग्रेडेशन की संख्या भी करीब दोगुनी हो जाएगी। भोपाल रेल मंडल से गुजरने वाली लगभग 300 यात्री ट्रेनों में 7 हजार से ज्यादा रिजर्व टिकट अपग्रेड हो सकेंगे। अब तक अपग्रेडेशन की लिमिट 4000 तक थी। हालांकि, अपग्रेडेशन का फायदा कंसेशन पर रिजर्वेशन करवाने अथवा रिजर्व टिकट लेने वाले यात्रियों को नहीं मिलेगा।

रेलवे ने ट्रेन में खाली सीटों का बेहतर उपयोग करने के लिए अपग्रेडेशन स्कीम में बदलाव किए हैं। यह सुविधा सभी की ट्रेनों में लागू होगी, जिनमें बैठने और सोने की दोनों तरह की सीटें होती हैं। बैठने की सीटों के लिए अपग्रेडेशन का क्रम सेकंड सीटिंग यानी 2एस से शुरू होकर चेयर कार सीसी, एग्जीक्यूटिव चेयर कार ईसी, विस्टाडोम एग्जीक्यूटिव चेयर कार तक होगा। वहीं, स्लीपर सीट का टिकट 3 इकोनॉमी, थर्ड एसी, सेकंड एसी तक अपग्रेड किया जा सकेगा। अपग्रेडेशन केवल उन्हीं क्लासों में होगा जो उस ट्रेन में उपलब्ध हैं। सेकंड एसी का टिकट फर्स्ट एसी में अपग्रेड हो सकेगा।

खाली सीटों का होगा उपयोग

रेलवे ने यह भी साफ किया है कि अपग्रेडेशन के लिए सभी खाली सीटों का उपयोग किया जाएगा। किसी भी क्लास में करंट बुकिंग के लिए सीटें रोककर नहीं रखी जाएंगी। भविष्य में अगर कोई नई क्लास शुरू होती है, तो उसमें भी किराए के आधार पर दो क्लास ऊपर तक अपग्रेडेशन किया जाएगा। मगर वरिष्ठ नागरिक और लोअर बर्थ कोटा में टिकट बुक कराने वाले यात्रियों को अपग्रेडेशन का विकल्प सोच-समझकर चुनना होगा। अगर वे अपग्रेडेशन चुनते हैं, तो उन्हें यह सूचना दी जाएगी कि ऊंची क्लास में लोअर बर्थ मिल भी सकती है और नहीं भी।

भारतीय सेना के साहस शौर्य को समर्पित सिंदूर प्रीमियर लीग शुरू

सिंधी समाज की प्रतिभाओं को निखारने का मौका है लीग का आयोजन : शर्मा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

भारतीय सेना के अदम्य साहस और शौर्य को समर्पित ÷सिंदूर प्रीमियर लीग÷ का शुभारंभ बाबे अली ग्राउंड पर हुआ। टूर्नामेंट का आगाज देशभक्ति के जज्बे से ओतप्रोत तिरंगा रैली के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में खेलप्रेमी और युवा शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद आलोक शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि खेलकूद युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सिंधु सेना के अध्यक्ष राकेश कुकरेजा द्वारा आयोजित इस सिंधी प्रीमियर लीग को उन्होंने सिंधी समाज की प्रतिभाओं को निखारने का एक बेहतरीन मंच बताया और खिलाड़ियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन से खेलने की प्रेरणा दी।

मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और उनका हौसला बढ़ाया। टूर्नामेंट स्थल पर पारिवारिक माहौल देखने को मिला, जहां फैमिली जोन और विभिन्न फूड स्टॉल्स लगाए गए हैं। दर्शकों के मनोरंजन के लिए आकर्षक इनाम भी रखे गए हैं। टूर्नामेंट का विशेष आकर्षण स्टेडियम में स्थापित भारतीय सेना की दो वीरांगनाओं - कर्नल सोफिया कुरेशी और इंडियन एयरफोर्स की कमांडर वियोमिका सिंह की भव्य प्रतिमाएं हैं।

पहले दिन मुकाबले

टूर्नामेंट के पहले दिन चार रोमांचक मुकाबले खेले गए, पहले मैच में सिंधी वारियर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बी.एम. 11 ने 8 ओवरों में 135 रन बनाए। जवाब में सिंधी वारियर्स 8 ओवरों में 74 रन ही बना सकी, जिससे बी.एम. 11 ने 61 रनों से जीत दर्ज की। जतिन, जिन्होंने 58 रन बनाए, को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में घराना 11 ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की और गेम स्विंगर ने 8 ओवरों में 105 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए घराना 11 पांच रन से हार गई। गेम स्विंगर के दिन और लकी को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। तीसरे मैच में महाकाल 11 ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके जवाब में नर्मदापुरम 11 ने 8 ओवरों में 130 रन बनाए। महाकाल 11 लक्ष्य से 6 रन दूर रह गई और नर्मदापुरम 11 ने मैच जीत लिया।

मेट्रो एंकर | पाक में अपहृत हिंदू महिलाओं की दर्दनाक कहानियों को उजागर करती द सिंध स्टोरी

सिंधु भवन में हुई विशेष स्क्रीनिंग, विशिष्टजनों ने देखी फिल्म

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू लड़कियों और महिलाओं के अपहरण और जबरन धर्मांतरण कराकर मुस्लिम पुरुषों से विवाह की खबरों पर बनी सिंधी फीचर फिल्म %द सिंध स्टोरी% का शो भोपाल में हुआ, फिल्म देश के विभिन्न सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।रविवार को सिंधु भवन ट्रस्ट प्रांगण में फिल्म का विशेष शो आयोजित किया गया। लगभग 100 मिनट की यह फिल्म, जिसे हिंदी में भी डब किया गया है, एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता की कहानी पर आधारित है, जो वीजा प्राप्त करने के बाद पाकिस्तान पहुंचती है। वहां, जब वह अपहृत हिंदू महिलाओं की दर्दनाक कहानियों को उजागर करती है, तो वह स्वयं भी मुश्किलों में फंस जाती है। फिल्म की शूटिंग मुख्य रूप से मुंबई में हुई है, जबकि कुछ महत्वपूर्ण दृश्य पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में गुप्त रूप से फिल्माए गए हैं।

घाटे का सौदा है सिंधी फिल्म- फिल्म के निर्माता आनंद मनवानी ने इस अवसर पर कहा कि सिंधी भाषा में बनी फिल्मों के लिए व्यावसायिक सफलता प्राप्त करना अत्यंत कठिन होता है। उन्होंने बताया कि आमतौर पर लागत का दसवां हिस्सा भी वसूल नहीं हो पाता है, क्योंकि सिनेमाघर सिंधी फिल्में दिखाने में हिचकिचाते हैं, जिसकी मुख्य वजह सीमित और बिखरा हुआ दर्शक वर्ग है।

त्रासदी की प्रस्तुति- सिंधु भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र मनवानी ने इस विशेष स्क्रीनिंग के दौरान कहा कि द सिंध स्टोरी पाकिस्तान में अपहृत हिंदू महिलाओं की पीड़ा और त्रासदी को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत करती है। यह फिल्म उस भयावह वास्तविकता को सामने लाने का एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वहां की हिंदू महिलाएं जूझ रही हैं।

यह मौजूद रहे

विशेष शो में विधायक भगवानदास सबनानी, मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी, सिंधी सेण्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष भगवान देव इसरानी, पूर्व अध्यक्ष तुलसी नैनवानी, अमर दावानी, रवि आनंद, महासचिव मोहन लालवानी, सचिव डीडी मेघानी, कोषाध्यक्ष हरीश ज्ञानचंदानी, विधिक सलाहकार जितेंद्र जादवानी, जगदीश संहिता, राजेश लोकवानी, रवि मखीजा, हर्ष मोटवानी, शंकर पंजवानी, मोहन मनवानी, हार्मनी क्लब की महिला सदस्यों सहित सिंधी समाज के कई गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे, जिन्होंने फिल्म को देखकर इस संवेदनशील मुद्दे पर अपनी एकजुटता और चिंता व्यक्त की।

विरासत से विकास

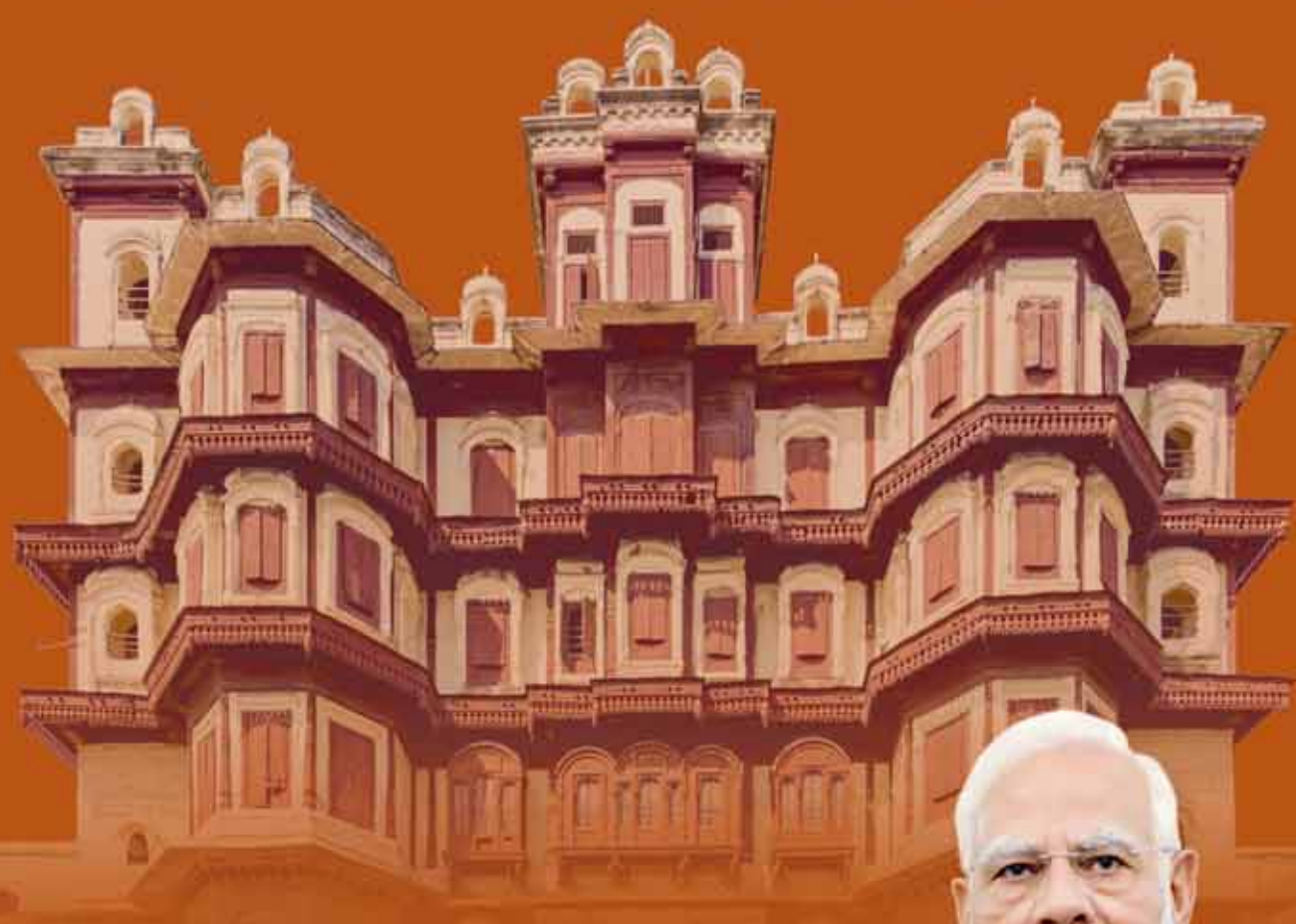

300वीं जन्म जयंती पर

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर

को कृतज्ञतापूर्ण नमन

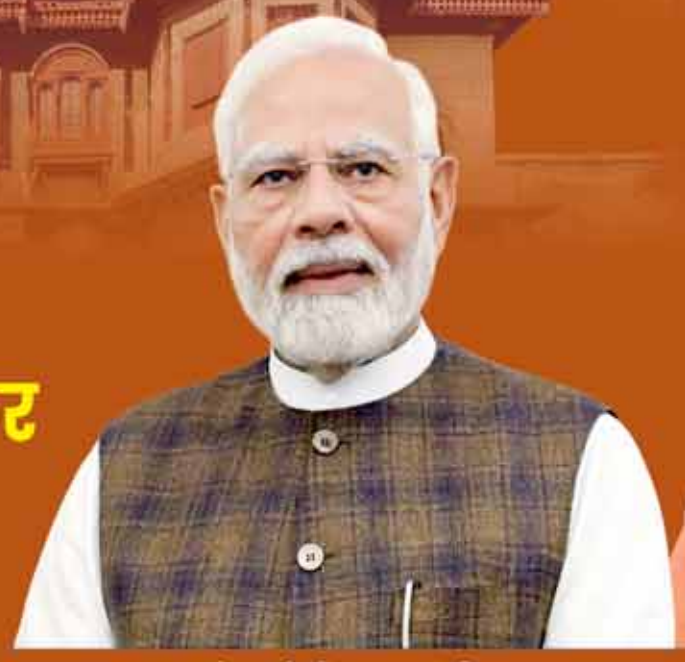

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

लोकमाता अहिल्याबाई

के मूल्यों एवं आदर्शों को समर्पित

राजवाड़ा, इंदौर में

मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद बैठक

का आयोजन

विकसित मध्यप्रदेश @2047

विज़न डॉक्यूमेंट पर मंथन

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

20 मई, 2025 । पूर्वाह्न 11:00 बजे

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D11027/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

संपादकीय

अच्छी शुरुआत व अनचाहा विवाद

भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस पॉलिसी और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनिया को सच बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सराहनीय फैसला तो किया है लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण इसका विवादों में घिर जाना है। यह देश की सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति किसी के हित में नहीं है। दरअसल, पहलगाम में आर्तकियों की नृशंसता के बावजूद जवाब देते हुए भारत ने जिस तरह संयम बरता, उसकी तारीफ सभी कर रहे हैं। पाकिस्तान की तरफ से उकसावे वाले कदमों के बाद भी भारत की प्रतिक्रिया सधी, सटीक और नियंत्रित रही। अब इस्लामाबाद के बचे हुए सपोर्ट सिस्टम को खत्म करने और भारत की चिंता और स्टैंड से दुनिया को वाकिफ कराने के लिए सरकार की ओर से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भेजे जा रहे हैं। इसके लिये सांसदों की ऑफियशियल ब्रीफिंग भी शुरू हो चुकी है। भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी संसदीय समितियों को जानकारियां दे रहे हैं। आपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों से सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा है। इससे एक अच्छा मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। कांग्रेस ने खुद साफ किया था कि उसने थरूर का नाम नहीं भेजा था, मगर केंद्र सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए। कांग्रेस का आरोप है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर भाजपा ओछी राजनीति कर रही है। वहीं भाजपा ने कांग्रेस के भेजे नामों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मगर यह तस्वीर उससे बिल्कुल अलग है, जब सारे दल आतंकवाद के खिलाफ जंग में एकजुट नजर आ रहे थे। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्र में काम कर चुके हैं, विदेश राज्य मंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से डेलिगेशन को मिलेगा। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था। इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता,क्योंकि खुद सरकार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नाम मांगे थे। कांग्रेस को भी अपने द्वारा भेजे गए चार नामों को जाहिर न करके इसे मुद्दा बनाने से बचना था। उसे मीडिया में प्रतिक्रिया व्यक्त करने से पहले सरकार ने सीधी बात करना था। दरअसल वजह यह है कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। काफी समय से थरूर के बयानों से कांग्रेस असहज स्थिति में है। इसीलिए कांग्रेस की प्रतिक्रिया तल्ख रही। हालांकि यह भी माना जाएगा कि कांग्रेस और उसके सांसद थरूर के बीच की खाई को भांपकर भाजपा सरकार ने यह जानबूझकर किया,क्योंकि थरूर केरल से आते हैं, जहां वे चार बार जीत चुके हैं और कुछ महीने बाद केरल में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। जबकि यह बात दोनों पक्षों के बीच बहुत समन्वय और सौजन्यता से हल होना चाहिये थी क्योंकि जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसलिये यहां दलगत राजनीति की हर गुंजाइश को खत्म करना जरूरी था। कांग्रेस और भाजपा से जुडे लोगों ने इस बारे में नहीं सोचा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वरना पहलगाम हमले के बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस तथा भाजपानीत सरकार के बीच जो तालमेल दिखा था, वह सकारात्मक राजनीति के नये दौर की काफी उम्मीद जता रहा था।

शत्रुता-मित्रता का आधार है स्थाई हित

■ ज्योति मल्होत्रा

आज की सुरक्षा आपके पाले में एप्पल जैसों के आने से बनेगी, क्योंकि वह कंपनी इतनी शक्तिशाली है कि ट्रम्प के पास टिम कुक को अपने पक्ष में रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं। जहां तक ट्रम्प द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच 'मध्यस्थता' का श्रेय लेने की बात है, वैसे तो अब न्यूयॉर्क टाइम्स भी मान रहा है कि हमलों में भारत ने पाकिस्तानी ठिकानों को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है।

कुछेक दिन पहले हुए भारत-पाकिस्तान टकराव में अमेरिका द्वारा मध्यस्थता के दावों पर भारत के विदेश मंत्रालय की और से छह बिंदुओं वाला खंडन पत्र जारी करने के कुछ घंटों बाद ही,डोनाल्ड ट्रम्प ने छठवीं बार जोर देकर कहा कि बीच-बचाव उन्होंने ही करवाया है 'और वैसे तो मैं बताना नहीं चाहता था कि मध्यस्थता मैंने की है, लेकिन पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में निश्चित रूप से मैंने मदद की है, जो अधिक से अधिक शत्रुतापूर्ण होती जा रही थी'। उक्त कथन ट्रम्प ने गुरुवार को कतर स्थित अमेरिका के अल-उदीद एयरबेस पर सैनिकों को संबोधित करते व्यक्त किया, जो उनके खाड़ी दौरे का अंतिम पड़ाव था। आखिर में यह भी कह गए :'मैं आपको बता रहा हूं,मैं ही वह व्यक्ति हूं जिसने परमाणु युद्ध को टाला'। अब या तो आप अविश्वास में अपनी आंखें गोल-गोल घुमाएं या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति की बातों पर यकीन कर लें,जिसका मतलब बकौल उनके यह है कि उन हालात में एक शक्तिशाली तीसरे पक्ष की आवश्यकता थी ङ्क अर्थात वे स्वयंङ्क जिसका प्रभाव भारत और पाकिस्तान, दोनों पर हो, ताकि वहां के लोगों को एक-दूसरे पर फिर से हमला करने और उनके बीच '1,000 साल से चले आ रहे युद्ध' को जारी रखने से रोका जा सके, लेकिन कहानी में तीन और सबक हैं। पहले का संकेत तब मिला, जब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बीते गुरुवार शाम अफ़गानिस्तान में अपने समकक्ष यानि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से फ़ोन पर बात की। कोई नहीं जानता कि किसने किसको फ़ोन किया, लेकिन विदेश मंत्रालय ने यह ज़रूर बताया कि जयशंकर ने पहलगाम नरसंहार को लेकर मुत्ताकी द्वारा की गई निंदा की सराहना की है। पहली (अंतिम तीन में से) सीख यह नहीं कि जयशंकर और मुत्ताकी ने वास्तव में एक-दूसरे से बात कीङ्क यहां गौरतलब है दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के एक नेता ने एक ऐसे व्यक्ति से बात की जिसकी सरकार को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता तक नहीं, वह तो केवल एक शासन का प्रतिनिधि है ङ्क या फिर उन्होंने जानबूझकर यह खुले तौर पर किया। यहां सबक यह कि भारत ने इस बात की कोई परवाह नहीं की कि उसी तालिबान से बात करने के लिए आलोचना की जाएगी या नहीं, जिसने 15 अगस्त, 2021 को दूसरी बार सत्ता में आने से पहले, और उसके बाद से, हरेक नियम का सब तरह से उल्लंघन किया। सच तो यह कि जयशंकर ने तो इस मामले में ट्रंप का ही अनुसरण किया। वो यह कि अगर आपके अंदर सत्ता में टिके रहने की क्षमता है, तो आपके अपने विचारों में बदलावों के साथ-साथ देश की स्थापित नीतियों की दिशा बदलने की आपकी मूर्खता को भी माफ़ कर दिया जाएगा। जरा ट्रंप को देखें। वह अपने देश के कट्टर दुश्मन व्लादिमीर पुतिन के साथ अच्छा व्यवहार कर रहे हैं; बीते हफ़्ते की शुरुआत में उन्होंने रियाद में अल-कायदा के सबसे नए सहयोगी से हाथ मिलाया, जिसका शासन इन दिनों सीरिया पर है; और कट्टरपंथी इस्लामवादी मुस्लिम ब्रदरहुड समूह के गढ़ कतर में,उन्होंने सभी संकेतों को नज़रअंदाज़ कर दिया क्योंकि अल-थानी के शेखों ने उनकी भव्य अगवानी की, इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति के इस्तेमाल के लिए उपहार में दिया 400 मिलियन डॉलर का विमान भी शामिल है। यहां तक कि जब कतर के व्यापारियों को संबोधित करते हुए अपना यह ऐतराज जताया कि एप्पल के सीईओ टिम कुक भारत में आईफोन बनाने जा रहे हैं ('मैंने उनसे कहा, मेरे दोस्त, मैं आपके साथ बहुत अच्छा व्यवहार कर रहा हूंज लेकिन अब सुना है कि आप भारत में आईफोन बनाने ज रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप भारत में उत्पादन करेंज'), तो भारत ने इस पर प्रतिक्रिया न देकर सरासर नज़रअंदाज़ किया। इसकी बजाय, भारतीयों ने एप्पल के अधिकारियों का रुख किया, जिन्होंने आश्वासन दिया है कि कुक वास्तव में भारत में कारखाना स्थापित करने की अपनी योजना को जारी रखेंगे।

पुराने दौर में, अगर अमेरिकी राष्ट्रपति जैसा कोई शक्तिशाली व्यक्ति ऐसी बातें कह देता तो भारत परेशान हो जाता। लेकिन चीन और अमेरिका जैसी कहीं ज़्यादा शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं के सामने,भारत अपनी स्थिति को संभालना सीख रहा है, वे दोनों अपने-अपने टैरिफ़ को कम करने के लिए आपस में सौदेबाजी कर रहे हैं और इस निर्णय का असर भारत के निर्यात पर पड़ना लाजिमी है। तथ्य यह कि, गत सप्ताह, भारत ने राजनीति की सबसे पुरानी कहावत से फिर से सीखा है 'न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, यह केवल अपने हित हैं, जो स्थायी होते हैं'। बीते दिन के अख़बार की तरह, जो अगले दिन रद्दी बन जाता है, पिछले हफ़्ते के पक्के दोस्त आज दूर के रिश्तेदार हो सकते हैं। इसलिए 'अब की बार ट्रम्प सरकार' किसी और ही सदी का नारा था। आज की सुरक्षा आपके पाले में एप्पल जैसों के आने से बनेगी, क्योंकि वह कंपनी इतनी शक्तिशाली है कि ट्रम्प के पास टिम कुक को अपने पक्ष में रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं। जहां तक ट्रम्प द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच 'मध्यस्थता' का श्रेय लेने की बात है, वैसे तो अब न्यूयॉर्क टाइम्स भी मान रहा है कि हमलों में भारत ने पाकिस्तानी ठिकानों को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है। जहां तक पाकिस्तान द्वारा इस संघर्ष में अपनी 'जीत' का जश्न मनाने का प्रश्न है, तो शायद न तो ट्रम्प ने और न ही पाकिस्तानियों ने नज़रअंदाज़ किया है कि 11 पाकिस्तानी ठिकानों को भारतीय मिसाइलों ने बींध दिया। इसी वजह से पाकिस्तानियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति का रुख किया और उनसे लड़ाई बंद करवाने की गुहार लगाई। या, हो सकता है, ट्रम्प ने खुद से इस पर गौर किया होङ्क हालांकि अब वे किसी और चीज़ में व्यस्त हो चुके हैं, फिलहाल नए जन्मे पोते का जश्न मना रहे हैं। तीसरी सीख यह है कि सत्ता में अपने तीन महीनों में, ट्रम्प ने आधी दुनिया को सफलतापूर्वक नाराज़ कर डाला है। तथ्य है कि चीन को जलाकर राख करने के अपने वादे-इरादे से वे मुकर गए हैं क्योंकि उनकी अपनी अमेरिकी कंपनियों का विशाल कारोबार चीन में है, जिनसे वे काफी मुनाफ़ा कमाते हैं, अवश्य ही उन्होंने यह समझाया होगा कि चीन पर उच्च टैरिफ केवल अमेरिकी ग्राहकों को ही नुकसान पहुंचाएगा ङ्क यह दर्शाता है कि जब आप शक्तिशाली हों, तो हल्की बातें भी चल निकलती हैं।

जहां तक जयशंकर-मुत्ताकी बातचीत का प्रश्न है, वास्तव में यह संवाद ऑपरेशन सिंदूर के अंत के करीब हुआ है या कहें कि ऐसे मौके पर जब पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से खंजर खिंचे हुए हैं, जो किसी से छिपा नहीं है। वास्तव में, भारत पिछले कुछ समय से तालिबान को डोरे डालने की कोशिशें कर रहा है, लगभग उसी समय से जब उसने 2021 में भारत की स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ के दिन काबुल पर कब्ज़ा कर लिया था। एक साल बाद काबुल की अपनी यात्रा पर, यह स्पष्ट दिखा कि तालिबान के किसी समय अपने उस्ताद और संरक्षक यानि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के साथ रिश्ते बिगड़ चुके हैं। यह कहानी कि आईएसआई ने तालिबान पर किस प्रकार पकड़ बनाई और उसका तब तक पोषण किया, जब तक पश्चिमी मुल्कों ने 9/11 के बाद अफगानिस्तान पर कब्जा नहीं कर लिया था, यह कि कैसे आईएसआई ने 20 साल तक इसका खूब फायदा उठाया और उसके बाद तालिबान को अमेरिकियों और उसके नाटो सहयोगियों से देश वापस छीनने में मदद की ङ्क यह किस्सा फिर किसी वक्त के लिए। गत सप्ताह के बड़े खेल में, जबकि सतलुज के पानी की भांति ट्रंप अपना बहाव नित बदल रहे हैं और शेष दुनिया उसके मुताबिक खुद को पुनर्व्यवस्थित करने में जुटी है ङ्क भारत ने तालिबान को कैसे अपनी तरफ किया, यह गाथा शायद ज्यादा दिलचस्प है।

– साभार

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

■ ललित गर्ग

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित हैड़ चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़वपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं। देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बड़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बड़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैंड़ सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बड़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बड़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बड़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा हैड़ संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है।

जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विस्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए। अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बड़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है।

नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर वाणी असंयम एवं बिगड़े बोल में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी 'भारत विरोधी शक्तियां' एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता एवं लोकतांत्रित मूल्यों के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। उन्हें नेताओं के बिगड़े बोलों से ऊर्जा मिलती है। सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं का भविष्य भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर देश एवं दुनिया की नजरे टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बड़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे।

'राजनीतिक सिस्टम' की रोग मुक्ति, स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं राजनीतिक चरित्र निर्माण के लिए नेताओं एवं उनके दलों को आचार संहिता से बांधना ही होगा। अब तो ऐसा भी महसूस होने लगा है कि देश की दंड व्यवस्था के तहत जहां 'हेट स्पीच' या बिगड़े बोल को नये सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है वहीं इस समस्या से निपटने के लिए 'हेट स्पीच' एवं बिगड़े बोल को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया हैड़

– यह लेखक के अपने विचार हैं।

समय से बड़ा गुरु और सब्र से बड़ा निवेश कुछ नही होता...!!!
समय और सब्र को दोनों को समय दीजिए फिर कुछ वक्त बाद जीवन में चल रहे तमाशे का आप स्वयं आनंद लीजिएगा।।

आज का कार्टून

-साभार माधव जोशी

आज का इतिहास

- 1872 मेट्रोपॉलिटन गैस कंपनी का लैंप पहली बार जलाया गया।
- 1875 वेनेजुएला और कोलंबिया में भूकंप से 16 हजार लोगों की मौत हुई।
- 1877 1877 फ्रांस में राजनीतिक संकट आरम्भ हुआ।
- 1916 यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस ने साइक्स-पिकोट समझौते पर हस्ताक्षर किए, एक गुप्त समझौते पर विचार किया गया जो मध्य पूर्व को आकार देता है, इराक और सीरिया की सीमाओं को परिभाषित करता है।
- 1918 संयुक्त राज्य अमेरिका में सेडिशन एक्ट पारित किया गया, संयुक्त राज्य सरकार, ध्वज, या सशस्त्र बल के बारे में संयुक्त राज्य सरकार, ध्वज, या सशस्त्र बल का उपयोग करने के लिए %अव्यवस्थित, अपवित्र, अपमानजनक या अपमानजनक% का उपयोग करने से मना किया।
- 1919 अमेरिकी नौसेना का विमान कर्टिस 16 मई, 1919 को ट्रांसअटलांटिक फ़्लाइट अभियान को पूरा करने वाला पहला विमान बन गया।
- 1920 एक जनमत संग्रह स्विट्जरलैंड के लीग ऑफ नेशंस में शामिल हुआ।
- 1929 दुनिया भर में ऑस्कर पुरस्कारों के नाम से प्रतिष्ठित एकेडमी अवॉर्ड की शुरुआत हॉलीवुड के रूजवेल्ट होटल में सिर्फ 270 लोगों की मौजूदगी में हुई।
- 1929 पहला अकादमी पुरस्कार 16 मई, 1929 को अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर्स एंड आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा 1927 और 1928 की सर्वश्रेष्ठ फिल्म का सम्मान दिया गया था। यह समारोह लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में हॉलीवुड रूजवेल्ट होटल में आयोजित किया गया था और इसका प्रसारण भी नहीं हुआ था रेडियो या टेलीविजन पर।
- 1929 प्रथम अकादमी पुरस्कार समारोह को लॉस एंजिल्स में हॉलीवुड रूजवेल्ट होटल में आयोजित किया गया था।

समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को किया निर्देशित

22 को सीएम सिवनी मालवा में करेंगे करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमि पूजन

- सीएम हेल्पलाइन में विभागों की खराब ग्रेडिंग पर कलेक्टर सख्त, अधिकारियों को दो दिवस में सुधार किए जाने के निर्देश दिए
- कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सभी अधिकारी को दिए दायित्व

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो।

आगामी 22 मई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नर्मदापुरम जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे सिवनी मालवा तहसील में आयोजित कार्यक्रम में करोड़ों रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे।

कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागीय अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें और सुनियोजित तरीके से रूपरेखा तैयार करें। उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर ने एसडीएम सिवनी मालवा को कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए निर्देशित किया कि वे मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम की संपूर्ण तैयारिया सुनिश्चित करें। साथ ही विकासखंड स्तर पर टीम गठित कर कार्यों का वितरण करें। कृषि, वन, जनपद पंचायत सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों को अपने-अपने विभागों से संबंधित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यों की जानकारी एकत्र कर शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त कलेक्टर द्वारा विकासखंड स्तर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ताओं को भी सक्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं।

समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा करते हुए सीएमएचओ नर्मदापुरम को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत शिकायतों की अधिक संख्या एवं खराब ग्रेडिंग पर असंतोष व्यक्त करते हुए आगामी एक सप्ताह में ग्रेडिंग सुधारने तथा शिकायतों की संख्या में कमी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जिन विभागों की रैंक सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर खराब है वह सभी विभाग अपनी स्थिति में सुधार करें। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण में खराब प्रदर्शन पर परियोजना अधिकारी को सख्त रूप से निर्देश दिए कि आगामी एक सप्ताह में 50 दिवस से अधिक समय से लंबी शिकायतों का शीघ्र निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार उन्होंने अन्य विभागों की भी 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों का परीक्षण कर उनकी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए की आगामी एक सप्ताह में ऐसी शिकायतों की संख्या शून्य किया जाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने समाधान ऑनलाइन के लिए चिन्हित बिंदुओं की शिकायतों की समीक्षा करते हुए समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अपने-अपने अनु विभाग अंतर्गत आने वाली तहसीलों से संबंधित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। वर्तमान में शिकायत के डिस्पोजल की स्थिति निराशाजनक है। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि समाधान ऑनलाइन के लिए चिन्हित बिंदुओं की शिकायतों में एफसी करने योग्य शिकायतों का पूर्ण परीक्षण करने के उपरांत ही उन्हें एफसी किए जाने के लिए अगले स्तर पर प्रेषित करें।

कलेक्टर ने सीएम डैशबोर्ड पर विभागों की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को निर्देशित किया कि सीएम डैशबोर्ड पर विभागों के लिए चिन्हित केपीआई (मुख्य निष्पादन संकेतक) के अनुसार विभागीय कार्यों का संपादन तथा उनका सैचुरेशन किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागवार केपीआइ के अनुसार किया जा रहे कार्यों की विस्तार पूर्वक समीक्षा की। उन्होंने समस्त सीईओ एवं सीएमओ को निर्देशित किया कि कर्मकार मंडल के आवेदन अनुग्रह सहायता राशि के आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। किसी भी स्थिति में इनमें अनावश्यक विलंब न किया जाए।

कलेक्टर और एसपी ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया

कार्यक्रम की तैयारियों के मद्देनज़र सोमवार को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह ने सिवनी मालवा पहुंचकर सभा स्थल एवं अन्य संबंधित स्थानों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय सिवनी मालवा में आयोजित बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं सुनियोजित तरीके से सुनिश्चित की जाएं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को कार्यक्रम स्थल पर शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मुख्य नगर पालिका अधिकारी को शहर में व्यापक स्वच्छता एवं सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने नगर में सुलभ एवं सुचारु ट्रैफिक प्लान तैयार करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने समुचित कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रखे जाने के निर्देश संबंधित अनुविभागीय अधिकारी पुलिस को दिए। बैठक के दौरान सिवनीमालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा, जिला पंचायत सीईओ टी प्रतीक राव, अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती सरोज परिहार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने मेरिट सूची में आने वाले जिले के विद्यार्थियों को किया सम्मानित

नर्मदापुरम. कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल के द्वारा आयोजित हाईस्कूल परीक्षा 2025 में प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाली जिले की 3 छात्राओं को सम्मानित किया। इन छात्राओं में कुमारी दीपिका पिता तुलाराम लोधी संस्था सरस्वती ग्रामोदय उमावि पलिया पिपरिया, कुमारी साक्षी कुशवाहा पिता भगवान दास संस्था मास्टर माइंड उमावि पिपरिया एवं कुमारी सोनाक्षी चोबे पिता अशोक कुमार संस्था कैम्पीयन उमावि नर्मदापुरम शामिल है। कलेक्टर सुश्री मीना ने इन छात्राओं को कलेक्टर कार्यालय में प्रशस्ति पत्र एवं पुष्प गुछ प्रदान कर सम्मानित कर आगामी कक्षाओं के लिये मार्गदर्शन प्रदान किया। छात्रा साक्षी कुशवाहा ने कलेक्टर सुश्री मीना से सिविल सर्विस में जाने के लिए आवश्यक विषयों, कलेक्टर बनने हेतु आपने किस प्रकार अध्ययन किया तथा तैयारी के बारे में पूछा। कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा छात्रा को अपने समक्ष बुलाकर कुर्सी पर बैठाते हुये क्रमशः सभी सवालों के जबाब छात्रा को दिये। स्वयं के अध्यापन के संबंध में कलेक्टर द्वारा उक्त छात्राओं को बताया गया कि मैंने सीधे ही तैयारी की थी, तैयारी हेतु ऑनलाईन अध्ययन हेतु सामग्री उपलब्ध हैं जिससे सिविल सर्विस हेतु तैयारी की जा सकती हैं। आयोजित कार्यक्रम में एस.पी.एस. बिसेन जिला शिक्षा अधिकारी, राजेश जैसवाल जिला परियोजना समन्वयक, डी.एन.व्यास. प्राचार्य, आर.बी. चौधरी प्राचार्य, संजीव कुमार पटेल, आशुतोष भार्गव कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, राकेश धनगढ़ एवं स्कूल स्टाफ पालक एवं अभिभावक उपस्थित रहे.

उमंग और उत्साह से ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में पहुंच रहे बच्चे

गंजबासौदा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विकासखंड में खेलों का निशुल्क प्रशिक्षण लगाया जा रहा है यह ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 31 मई तक किया जा रहा है बासौदा विकासखंड की ब्लॉक समन्वयक नूरजहां बानो मंसूरी द्वारा बताया कि बासौदा विकासखंड में दो खेलों का प्रशिक्षण निशुल्क लगाया जा रहा है जिसमें ताइक्वांडो का प्रशिक्षण हेमंत विश्वकर्मा द्वारा पंचमुखी हनुमान मंदिर एसजीएस कॉलेज के पीछे एवं एथलेटिक्स का प्रशिक्षण विजय शर्मा द्वारा डॉल्फिन के ग्राउंड में ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर लगाया जा रहा है ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में युवाओं के शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है। यह शिविर केवल खेल सिखाने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को एक सजग, अनुशासित और सक्षम नागरिक के रूप में तैयार करने का अवसर है। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में एथलेटिक्स के लिये विजय शर्मा एवं ताइक्वांडो के लिए हेमंत विश्वकर्मा इस कैंप में खिलाड़ियों को खेल की बारीकियां एवं खेलों के गुण सीखा रहे हैं हैं विकासखंड की समन्वयक ने सभी खिलाड़ियों से इस समर कैंप में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर निशुल्क समर कैंप का लाभ लें।

ड्यूटी से लौट रहे वनरक्षक की एक्सीडेंट में हुई मौत

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

वन परिक्षेत्र सिवनी मालवा के अंतर्गत आने वाले ग्राम टेकरी पूरा की चौकी में पदस्थ वनरक्षक प्रताप सिंह राजपूत अपनी मोटरसाइकिल से ड्यूटी कर कर लोट रहे इसी दौरान सिवनी मालवा के बाईपास के बिल्थी रोड पर अनांतरित ट्रक ने उनको टक्कर मार दी जिससे उनके सर एवं हाथ पैर में गंभीर चोटें आई।राहगीरों की मदद से घायल प्रताप सिंह को सिवनी मालवा अस्पताल लाया गया जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए नर्मदापुरम के अस्पताल भेज दिया गया। जहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वनरक्षक के एक्सीडेंट की जैसे ही खबर वन विभाग के कर्मचारी तक पहुंची वे सभी सिवनी मालवा और नर्मदापुरम के अस्पताल पहुंच गए आज दोपहर में उनका पोस्टमार्टम करने के बाद उनका शव परिजनों को सोफा परिजनों द्वारा उनके गृह ग्राम गाडरवाडा ले जाया गया। फिलहाल पुलिस ने एक्सीडेंट करने वाले वाहन को जप्त करवाही की जा रही है।

घाट सफाई अभियान में शामिल हुई तहसीलदार, दिया सुझाव

श्रध्दालु घाटों पर पूजन सामग्री न फेंकें, इसे कचरा गाड़ी में ही डालें

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

नर्मदा घाटों पर साफ सफाई रखें। श्रद्धालु घाटों पर पूजन सामग्री ना फेंके , इसे केवल कचरा गाड़ी में ही डालें क्योंकि पूजन सामग्री एक बेस्ट के रूप में नर्मदा में मिल रही है। इससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। सभी साफ सफाई बनाए रखें। कचरा गाड़ी में ही पूजन सामग्री डालें और गंदगी ना करें । कायस्थ समाज मातृशक्ति एक सराहनीय कार्य कर रहीं हैं । हर रविवार घाटों पर साफ सफाई होती है और यह कार्य निरंतर कई हफ्तों से चल रहा है। इसमें सभी को शामिल होना चाहिए। यह बात रविवार को कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा चित्रगुप्त घाट पर चलाए जा रहे साफ सफाई अभियान में शामिल हुई तहसीलदार ग्रामीण सृष्टि डेहरिया में कही । उन्होंने कहा कि समाज के लोग अच्छा कार्य कर रहे हैं । इसमें सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि घाट पर साफ सफाई रखें और कचरा हटाए। इस मौके उन्होंने नगर वासियों से अपील की कि इस स्वच्छता अभियान में सभी को मिलकर आगे आना चाहिए।अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति का स्वच्छता अभियान समाज के लिए एक अच्छा उदाहरण है। इस मौके पर अशोक वर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा, सी बी खरे,

केशव देव वर्मा, लालता प्रसाद आदित्य, मंजू श्रीवास्तव, ज्योति वर्मा, ऊषा वर्मा, सुमन वर्मा, प्रीति खरे, शीतल श्रीवास्तव,शसारिका सक्सेना रश्मि सक्सेना , जानकी, विधी सक्सेना आर्या श्रीवास्तव, अंशिका श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

देश के शौर्य के प्रतीक रिटायर्ड फौजी अधिकारी कर्मचारियों की बैठक

गंजबासौदा। सिविल डिफेंस वॉलिंटियर योजना के तहत एसडीओपी मनोज मिश्रा के मार्गदर्शन में रविवार को थाना प्रभारी देहात बासौदा निरीक्षक आशुतोष सिंह द्वारा थाना परिसर मे सभी रिटायर्ड फौजी अधिकारी कर्मचारी गणों की बैठक ली गई। जिसमें सभी से सिविल डिफेंस वालंटियर फॉर्म भराये गए एवं साइबर सिक्योरिटी एवं देश की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त वर्तमान स्थिति को देखते हुए देश सेवा में आगे भी सहयोग प्रदान करने हेतु आग्रह किया गया। जिसमें सभी ने एकमत में सहमति जाहिर की एवं देश सेवा में हमेशा तत्पर रहने हेतु कहा गया इसके अतिरिक्त फौजी भाइयों के सवालों के भी जवाब थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष सिंह द्वारा दिए गए उक्त बैठक में प्रमुख तौर पर रिटायर्ड फौजी महेश शर्मा कैप्टन मुस्ताक खान एवं उनके अन्य फौजी साथी उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेता दीक्षित को स्मरण कर आयोजित किया गया भजन संध्या कार्यक्रम

नर्मदापुरम. कांग्रेस नेता और बहुमुखी प्रतिभा के धनी स्व. अक्षय दीक्षित के जन्मदिन पर डिवाइन सिटी शिव मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया. उक्त जानकारी देते हुए सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के संरक्षक कृपाल सिंह राजपूत एवं अशोक दिवोलिया ने बताया कि 11 जून 23 को सड़क दुर्घटना में अक्षय दीक्षित का

निधन हो गया था. सहज सरल एवं लोगों के प्रति सद्भावना रखने वाले अक्षय के व्यक्तित्व को हमेशा याद किया जाएगा. कांग्रेस आईटी सेल प्रदेश महासचिव का दायित्व संभालते हुए अक्षय ने युवा संगठन की मजबूत टीम का गठन किया था. संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष मो. अकरम खान डॉ. प्रदीप जैन डॉ.सुरेंद्र जीत जीतसिंह डॉ. मो. आदिल फ़ाज़ली डॉ. मयंक तोमर ओम प्रकाश मालवीय ओपी तिवारी ललित यादव बद्री प्रसाद नंदकिशोर यादव रमेश गोप्लानी जय शंकर तिवारी हेमंत शर्मा महेश शर्मा संदीप पाठक लवलेश जैन कृष्ण चौहान विक्की आर्य सहित अन्य सदस्य उपस्थित हुए.

मेट्रो एंकर एसपी सहित 7 थानों के टीआई, 2 डीएसपी तथा 50 पुलिसकर्मियों ने संभाला मोर्चा

कोई अनहोनी न हो इसलिए रातभर जिले की पुलिस मासूम बच्ची को तलाशती रही

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

नाबालिग बालिका के गुम होने की सूचना पर तत्परता से कार्यवाही कर जिले की पुलिस ने मासूम को 3 घंटे के अंतराल में किया दस्तयाब। वो रात हमेशा याद रखी जाएगी जब एक माँ की ममता कराह रही थी, पिता की आंखें मासूम को ढूंढ रही थीं और अंधेरे में एक दो साल की बच्ची गुम हो गई थी। लेकिन जिले की पुलिस ने जिस तरह संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए बच्ची को सुरक्षित खोज निकाला वो केवल एक तलाश नहीं थी, बल्कि इंसानियत की मिसाल थी।

जानकारी के अनुसार बीती रात करीब 11 बजे जब परिवार के सभी लोग सो चुके थे तब फरियादी की बड़ी बेटी की नींद खुली तो उसने देखा कि उसकी बहन पास में नहीं है। घबराकर उसने तुरंत माता-पिता को जगाया। आसपास ढूंढने पर भी बच्ची नहीं मिली। तो रात दो बजे पुलिस को सूचना दी गई और तीन बजे ही थाना प्रभारी बासौदा शहर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी भी मौके पर पहुंचे।

यह है मामला

बीती रात्रि करीब दो बजे से ज्यादा का समय हो रहा था। डायल 100 एवं चाइल्ड लाइन भोपाल के माध्यम से निरीक्षक योगेन्द्र सिंह परमार को सूचना प्राप्त हुई कि फरियादी की लगभग दो वर्षीया बालिका कहीं चली गई है एवं लापता है। सूचना प्राप्त होते ही थाना प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र सिंह परमार पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुँचे। फरियादी से चर्चा कर बालिका के गुम होने की देहाती नालसी ली गई और घटना की जानकारी एसपी को दी गई। एसपी रोहित काशवानी द्वारा त्वरित निर्देश जारी करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों एवं विभिन्न थानों की टीमों को मौके पर पहुँचने के लिए निर्देशित किया।

पुलिस की त्वरित, संवेदनशील और सशक्त कार्यवाही

रात दो बजे पुलिस को सूचना दी गई और तीन बजे ही थाना प्रभारी बासौदा शहर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। स्वयं पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी भी मौके पर पहुंचे, गांव वासियों से संवाद किया और दिशा-निर्देश दिए। इस अभियान में 2 डीएसपी, 7 थाना प्रभारी, और 50 से अधिक पुलिसकर्मी रात भर घरों, खेतों, पगडंडियों और सड़कों पर ढूंढते रहे।

नई सुबह, नई उम्मीद, मासूम मिली सुरक्षित

रात भर लगातार ढूंढने के बाद मासूम बच्ची सुबह लगभग सड़क किनारे सोती हुई मिली। पुलिस ने तुरंत परिजनों से उसकी पहचान कराई। थाना बासौदा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। सौभाग्यवश बच्ची पूरी तरह से स्वस्थ है।

यह अभियान सिर्फ कर्तव्य नहीं, एक भावनात्मक युद्ध था इस पूरी रात में, जब गांव सो रहा था जिले की पुलिस की टीम जाग रही थी एक माँ की गोद फिर से भर जाए इस संकल्प के साथ। यदि यह कार्रवाई समय पर न होती, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। कार्रवाई के दौरान एसडीओपी मनोज मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक महिला सेल, ज्योति शर्मा, थाना प्रभारी शहर निरीक्षक योगेंद्र सिंह परमार, थाना प्रभारी देहात आशुतोष सिंह, थाना प्रभारी गुलाबगंज, निरीक्षक मोहर सिंह, थाना प्रभारी त्योंदा, बीएस गौर, थाना प्रभारी पठारी उपनिक्षक गौरव बाजपेयी थाना प्रभारी पथरिया रितुराज सिंह,थाना प्रभारी हैदरगढ़,थाना प्रभारी सिविल लाइन,सूबेदार आशीष राय समेत स्टाफ भी उपस्थित रहा।

गर्मी व उमस से मिली राहत, दोपहर 3 के बाद बदला मौसम, हुई हल्की बूंदाबांदी

तेंदूखेड़ा। मई महीने में मौसम के मिजाज बदलने से बूंदाबांदी हो रही है तो बादल छाने के साथ कभी धूप निकल आती है। पिछले 15 दिनों से देखे तो कुछ इसी तरह की स्थिति जिले में बनी हुई है। बूंदाबांदी आंधी तूफान होने और बादलिक मौसम रहने के बावजूद आमजन को भीषण गर्मी और उमस से राहत नहीं मिल रही है। गर्मी तपा रही है तो उमस उनके सिर से पसीना छुड़ा रही है। हालत यह है कि घर, दुकान, मकान में बिना कूलर, पंखे, एसी के बैठना कठिन हो गया है। सोमवार को ही अधिकतम तापमान 40 और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा वहीं तापमान अधिक होने और हवा की गति कम होने से सुबह से 3 बजे दोपहर तक गर्मी ने जमकर तपाया। इससे राहत पाने लोग कई तरह के जतन करते नजर आए। लेकिन दोपहर 3 के बाद मौसम ने अचानक करवट ली और बादल छा गए हाल की बूंदाबांदी भी हुई मौसम में ठंडक खुल गई तेज हवा चलने लगी कटौती ने बढ़ाई मुश्किल एक तरफ गर्मी, उमस अपना प्रकोप दिखा है तो उसमें बिजली कटौती ने आमजन की दिक्कत बढ़ा दी है। सोमवार को तेंदूखेड़ा सब स्टेशन से जुड़े करीब 100 से अधिक गांवो में बिजली का आना-जाना रहा कई ग्रामो बिजली गुल रही ।

दो बच्चों के जैविक माता-पिता की खोज

सिरोंज। किशोर न्यायालय बालको की देखरेख और संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत दो बालक-बालिकाओं को दत्तक ग्रहण हेतु विधिक रूप से मुक्त

घोषित किया जाना है इस संबंध में बालक-बालिकाओं के कोई वैधानिक अभिभावक जो उससे प्राप्त करना चाहते है तो जारी विज्ञप्ति के तीस दिवस के भीतर कार्यालयीन, दिवसो व समय में पर्याप्त पुष्टिकारक प्रमाणो के साथ कार्यालय संस्था नित्य सेवा सोसायटी पीपलनेर भोपाल के अधीक्षक महेन्द्र दवे के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। संस्था से सम्पर्क के लिए मोबाइल नं. 8349591960 या ईमेल आईडी nityasevapiplner@gmail.com अथवा विदिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री भरत सिंह राजपूत का मोबाइल नम्बर 9399639499 है। समयावधि समाप्ति के उपरांत उक्त बालक, बालिकाओं को दत्तक ग्रहण हेतु विधिक रूप से मुक्त घोषित करने की कार्यवाही की जाएगी।

कृषि उपज मंडी परिसर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

सिरोंज। हमालो को कानूनी प्रावधानों की जानकारी सांझा की गई विदिशा कृषि उपज मंडी परिसर में आज विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया था। मंडी सचिव श्रीमती नील कमल वैघ ने बताया कि शिविर में मंडी कर्मचारियों के साथ साथ हमालो को कानूनी प्रावधनों की जानकारियां साझा की गई है। कृषि उपज मंडी समिति विदिशा के सभाकक्ष में आयोजित विधिक जागरूकता शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट नितेंद्र सिंह तोमर और न्यायिक मजिस्ट्रेट लीगल एड डिफेंस काउंसिल सुश्री अपूर्वा पाठक द्वारा विधि से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर में मंडी सचिव श्रीमती नीलकमल वैद्य द्वारा हम्मालों और तुलावटियों के पुलिस चरित्र सत्यापन में दर्ज आपराधिक धाराओं के संबंध में विधिक मार्गदर्शन लिया गया । उक्त शिविर में विधिक प्राधिकरण से श्री अनिमेष तिवारी, मंडी से कर्मचारियों, हम्मालों एवं तुलावटियों द्वारा भाग लिया गया।

पीएम जन-मन योजना से मनोकामनाएं पूरी

सिरोंज। विदिशा हमने कभी सोचा नहीं था कि इतनी जल्दी हमारा भी पक्का छत वाला मकान बन जाएं और बिजली पानी सीधे बटन दबाते, नल चालू करते पानी मिलेगा यही नहीं घर में गैस से खाना बनाने के कारण ईधन की जद्दोजहद से मुक्ति मिली है। यह सब कहना है पीएम जन-मन योजना से लाभान्वित हितग्राही श्रीमती सखी बाई सहारिया का ग्यारसपुर विकासखंड की ग्राम मढीचैबीसा की रहने वाली श्रीमती सखी बाई सहरिया अनुसूचित जनजाति की हितग्राही हैं, जिनके पास रहने के लिए एक पक्का घर नहीं था, न ही बिजली पानी एवं अन्य व्यवस्थाए थी वे अपने परिवार के साथ मिट्टी के बने एक कच्चे झोपड़ी में रह रही थी ।जो बरसात में अक्सर गिरने की कगार पर होती थी। विदिशा जिले में पीएम जनमन योजना के तहत चिंहित सहरिया जनजाति परिवारों के सर्वांगीण विकास की ऐसी जोत जली जिसका प्रकाश से समुदाय का समुचित उन्नति के द्वार खुल गई गए हैं। केंद्र सरकार ने जब 2023 में आदिवासी समुदायों के लिए प्रधानमंत्री जन-मन योजना की शुरुआत की, तो ग्राम पंचायत स्तर पर सर्वेक्षण हुआ। इसमें श्रीमती सखी बाई सहरिया का नाम चयनित हुआ और उन्हें पीएमजनमन योजना के तहत आवास की स्वीकृति मिली। विद्युत कनेक्शन का लाभ-2023 में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत इस गाँव को चुना गया। इसके अंतर्गत सखीबाई बताती है कि उन के पास पहले बिजली का मीटर कनेक्शन नहीं था, रात रात भर लाइट नहीं रहती थी जिससे काम करने में और बच्चो कि पढ़ाई में बहुत समस्या आती थी, परन्तु पीएमजनमन योजना के आने से उन्हें नया मीटर कनेक्शन मिला, जिसने उनके जीवन में नई रौशनी ला दी है। वह कहती हैं कि जनमन योजना से हमें सिर्फ बिजली नहीं मिली, हमें आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का उजाला मिला है। अब अंधेरे दिन पीछे छूट गए हैं। इसके साथ ही वह पक्के आवास में रहती है और उन्हे उज्वला गैस कनेक्शन, आयुष्मान, आधार, जाती प्रमाण पत्र जैसी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

नक्शा पायलेट प्रोजेक्ट सिटी सर्वे प्रोग्राम का क्रियान्वयन जारी

मुख्य सचिव ने वीसी के माध्यम से नक्शा अभियान की समीक्षा की

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा मुख्य सचिव अनुराग जैन ने आज वीडियो काफ्रेंसिंग के माध्यम से निकाय क्षेत्रो में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में क्रियान्वित नक्शा पायलेट प्रोजेक्ट सिटी सर्वे के कार्यो की समीक्षा की।

विदिशा एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर अंशुल गुप्ता, अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर सुश्री निकिता तिवारी, अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत, तहसीलदार डॉ अमित सिंह मौजूद रहें।

गौरतलब हो कि भारत सरकार द्वारा भूमि संसाधन विभाग के पायलट नक्शा प्रोजेक्ट के कार्यक्रम में ड्रोन फ्लाई नेक्सा के एसओपी तथा वीडियो भी लॉच किया गया है। जिस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वामित्व योजना अंतर्गत आबादी क्षेत्र में नक्शे के अधिकार अभिलेख दिए गए हैं उसी प्रकार शहरी क्षेत्र में भी आबादी क्षेत्र में जो नागरिक जहां निवास कर रहे हैं उन्हें अधिकार अभिलेख प्रदान किए जाएंगे। प्रदेश के दस शहरों

सहित विदिशा जिला भी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शामिल है। इस प्रक्रिया तहत ड्रोन से मैपिंग की जाएगी और जो भी नागरिक जहां काबिज हैं। उनके पास जो भी रिकॉर्ड्स है उस आधार पर उन्हें अधिकार अभिलेख दिया जाएगा ताकि उन्हें मालिकाना हक मिल सके।

नक्शा योजना के तहत विदिशा नगरपालिका क्षेत्र के समस्त 39 वार्ड 28.67 वर्ग किलोमीटर फैले हुए है वार्डो की 31190 का सर्वे किया जाएगा। योजना के तहत विदिशा नगरपालिका में एक फरवरी से दस फरवरी के मध्य ड्रोन फ्लाई कार्य पूर्ण किया गया है। विदिशा जिले में जिला स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया जा चुका है जिसके अध्यक्ष कलेक्टर एवं जिला सर्वेक्षण अधिकारी है। विदिशा नगरपालिका क्षेत्र में समन्वय समिति का भी गठन किया जा चुका है। उक्त योजना के तहत सर्वे आफ इंडिया द्वारा ड्रोन फ्लाई पूर्ण करने के उपरांत ऑर्थो-रेक्टीफाईड इमेजरी तैयार कर ली गई है। विदिशा नगरपालिका क्षेत्र में 19 मई की स्थिति में सर्वे आफ इंडिया द्वारा स्वामित्व द्वारा एक्सट्रेक्शन का कार्य किया जा रहा है। यह कार्यवाही पूर्ण होने के बाद जिले को मैप-1 प्रदाय किया जाएगा।

लाभ

नगरीय क्षेत्रो के सर्वेक्षण से विभिन्न स्तरो पर होने वाले लाभो को रेखांकित करते हुए संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी सुश्री निकिता तिवारी ने बताया कि नगरीय क्षेत्रो के सर्वेक्षण से न सिर्फ भू-अभिलेख प्रबंधन में सुविधा होगी वरन जन सामान्य को रिकार्ड की प्रतियां प्राप्त करने में आसानी होगी इस प्रकार नगरीय क्षेत्र के सर्वेक्षण से विभिन्न स्तर पर होने वाले लाभो में मुख्य रूप से सम्पत्तिधारको को लाभ मिलेगा जिसमें नगरीय क्षेत्र के राजस्व अभिलेख शुद्ध होने से भू-स्वामी का निर्धारण, सीमांकन, नामांतरण इत्यादि में सुविधा मिलेगी वहीं क्रय-विक्रय में सुगमता होगी और सम्पत्ति संबंधी सभी देयताओं का भुगतान करने में सुगमता होग। नोडल अधिकारी सुश्री तिवारी ने बताया कि नक्शा योजना से विभाग को भी लाभ होगा जिसमें निर्णयात्मक एवं विवाद रहित भू-स्वामी, शासकीय भूमि निर्धारित करने में सुविधा होगी। सम्पत्ति की भौगोलिक सीमाओं के निर्धारण से रिकार्ड प्रबंधन में आसानी होगी। जबकि भू-राजस्व एवं सम्पत्तिकर संबंधी प्रकरणो के निराकरण में सुगमता होगी। भू-अभिलेख के डिजिटाईजेशन हेतु सुविधाजनक और अंर्तविभागीय समन्वय में लाभ मिलेगा। नक्शा अभियान से समुदाय को होने वाले लाभो में मुख्य रूप से विवाद के सुगमतापूर्वक निराकरण से अपराधो में कमी होगी। सार्वजनिक उपयोग के रास्तो के निर्धारण में आसानी होगी। जबकि दखल रहित भूमि जो लोक प्रयोजनो के लिए पृथक रखी है के उपयोग एवं भूमि आवंटन के कार्य आसानी से होने पर समुदाय को लाभ मिलेगा।

तंबाकू उत्पादों एवं इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट ऑनलाइन विक्रय हेतु मार्गदर्शिका जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू उत्पादों एवं इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट का ऑनलाईन विक्रय हेतु भारत सरकार के द्वारा मार्गदर्शिका जारी की गई है ।जिसका पालन सुनिश्चित करने हेतु संबंधितों को निर्देशित किया गया है।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने उक्त जानकारी को टीएल बैठक में सम्मिलित कर समीक्षा करने के निर्देश प्रसारित किए हैं केंद्रीय सरकार के द्वारा जारी मर्ग दर्ज का के पालन हेतु जो दिशा निर्देश प्रसारित किए गए हैं। ई-सिगरेट प्रतिषेध कानून-2019 एवं कोटपा कानून 2003 का पालन हेतु जिले में आनलाइन विक्रय के संबंध में मार्गदर्शिका जारी की जानी है । मार्गदर्शिका का विवरण निम्नानुसार है। तम्बाकू उत्पादों और ई-सिगरेट उदयोग ई-कामर्स बेबसाइटों, मोबाइन एप्सध्या अन्य इंटरनेट आधारित प्लेटफार्म के द्वारा एवं शेक्षणिक संस्थानों के आसपास अबैध रूप से अपने उत्पादों की विकी न करे, जिससे इन उत्पादों की पहुंच न हो सके।

ई-सिगरेट प्रतिषेध कानून - 2019 की धारा-4 के अनुसार ई-सिगरेट का उत्पादन विनिर्माण आयात निर्यात परिवहन विक्रय

वितरण एवं विज्ञापन पर जिले में यदि कोई भी व्यक्ति प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इसमें लिप्त पाया जाता है। तो उसके खिलाफ उचित कानून दंडात्मक कार्यवाही की जावेगी।कोई भी व्यक्ति सिगरेट या अन्य तम्बाकू उत्पादो के उपभोगों को प्रोत्साहित नहीं करेगा। किशोर न्याय (बालकों के देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा-77 के अनुसार कोई भी व्यक्ति 18 वर्षो से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति को उत्पाद देता है, या देने का कारण बनता है उसे कठोर कारावास की सजा का प्रावधान है।

अतः उपरोक्तानुसार भारत सरकार की तम्बाकू उत्पादों एवं इलेक्ट्रानिक सिगरेट के संबंध में दी गयी मार्गदर्शिका का विभिन्न स्तरों पर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराने के निर्देश प्रसारित किए गए हैं।

वन व राजस्व भूमि के मिलान की कार्यवाही स्थल पर

कलेक्टर श्री गुप्ता द्वारा जिले में वन और राजस्व विभाग की भूमि के संबंध में होने वाले अवरूध्दों का समाधान दोनों विभागों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक समुचित दस्तावेजों सहित स्थलों पर आयोजित करने के निर्देश प्रसारित किए गए हैं।

इसी कड़ी के तहत शमशाबाद तहसील क्षेत्र में वन विभाग एवं राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त रूप से भूमि का सीमा मिलान हेतु ग्राम मनाखेड़ी एवं झिरी में समाधान कराया गया है। उक्त संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान क्षेत्र के नायब तहसीलदार डॉ दर्शन लाल नेगी, एसडीओ वन समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

270 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज। विदिशा वन मंडलाधिकारी हेमंत यादव के मार्गदर्शन सह निर्देशन में आज 270 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया कराया गया है।

परिक्षेत्र शमशाबाद अंतर्गत कक्ष क्रमांक 248 एवं 248 बीट कोलुआ में 270 हेक्टेयर वन भूमि को वनमण्डलाधिकारी के निर्देशन में अतिक्रमण मुक्त कराया गया है, उक्त भूमि पर कई वर्षो से खेती हो रही थी। वन राजस्व एवं पुलिस के संयुक्त बल द्वारा कार्यवाही कर 270 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। उक्त भूमि पर कई वर्षो से ग्राम मानाखेड़ी एवं झगरी के ग्रामीणों द्वारा खेती की जा रही थी। अतिक्रमण बेदखली की कार्यवाही जारी है। अतिक्रमण मुक्त कराई गई वन भूमि पर सीपीटी खोदी गई एवं रोपण हेतु जमीन को आरक्षित किया गया। बरसात में उक्त क्षेत्र में रोपण की कार्यवाही की जाएगी।

खाद्य तेलों के लिए नमूने

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती एडलिन ई पन्ना ने आज विदिशा नगर में गुरुद्वारे के पास स्थित मुस्कान ट्रेडर्स (रिपेकर) का औचक निरीक्षण कर खाद्य तेल सोयाबीन तेल लूज एवं सोयाबीन तेल ब्रांड मुस्कान के नमूने जांच हेतु लिए हैं।

खाद्य कारोबारकर्ता को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि खाद्य तेल खुला विक्रय करना पूर्णतः प्रतिबंधित है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्यवाही जिले में लगातार जारी है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप वर्मा द्वारा तहसील त्योंदा स्थित जैन किराना से नमकीन एवं दूध पाउडर के नमूने लिए गए हैं।

श्रीमती किरण एम श्रीवास्तव ने तहसील ग्यारसपुर स्थित अनिल किराना से नमकीन तथा वनस्पति के नमूने एकत्रित किए। उक्त कार्यवाहियों में लिए गए नमूने जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

शासन द्वारा संधारित मंदिरों की मय 5-5 फोटोग्राफ्स सहित उपलब्ध कराने के निर्देश

सिरोंज। विदिशा जिले में शासन द्वारा संधारित मंदिरों की सूची मय 5-5 फोटोग्राफ्स सहित उपलब्ध कराने के निर्देश कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा सभी तहसीलदारों को जारी किए गए हैं। कलेक्टर गुप्ता द्वारा जारी ततसंबंधी आदेश में उल्लेख है कि मंदिरों पर आधारित देवस्थानम पत्रिका का प्रकाशन कराया जाएगा। अतः जिला विदिशा अंतर्गत शासन संधारित मंदिरो के अध्यात्मिक एतिहासिक एवं पौराणिक महत्व के आधार पर देवस्थानम पत्रिका का प्रकाशन हेतु अविलंब वांछित जानकारी अतिशीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश प्रसारित किए गए हैं। गौरतलब हो कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उक्त पत्रिका का विमोचन किया जाना है। देवस्थानम पत्रिका में शासन संधारित मंदिरो के संबंध में संलग्न प्रपत्र 01 एवं 02 में जानकारी तैयार कर उक्त मंदिरो के आध्यात्मिक एतिहासिक एंव पौराणिक महत्व के संबंध पृथक से विस्तृत टीम के साथ मय फोटो ग्राफ्स सहित (कलर फोटो) 05-05 अलग अलग एंगल से तैयार कर जिला कार्यालय को विशेष वाहक के हस्ते उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। डिप्टी कलेक्टर व नोडल अधिकारी संतोष बिटौलिया ने बताया कि तहसील का नाम,शासन संधारित मंदिर का नाम ,ग्राम का नाम,पुजारी का नाम एवं मोबाईल नं. पुजारी को देय नेमनूक राशि का विवरण राजस्व अभिलेख अनुसार मंदिर की भूमि का विवरण रकवा,सर्वे नं., व्यवस्थापक का नाम, नोईयत, मंदिर की भूमि किसके द्वारा नीलाम की जाती है।,खातेदार का नाम,नीलामी से प्राप्त राशि जमा कराने का विवरण बैंक खाता क्र. आई.एफ.एस.सी. कोड तथा प्रपत्र दो के अंतर्गत अशासकीय मंदिर का नाम, ग्राम का नाम,ट्रस्ट का नाम ट्रस्ट का पंजीयन, ट्रस्ट के अध्यक्ष का नाम,पुजारी का नाम एवं मोबाईल नं., ट्रस्ट के नाम दर्ज भूमि का विवरण रकवा, सर्वे नं., नोईयत इत्यादि जानकारी संधारित प्रपत्रों में अंकित कर सभी तहसीलदारों को समय सीमा में जानकारियां प्रेषित करने हेतु पत्राचार किया गया है।

मेट्रो एंकर देश की बाह्य एवं आंतरिक परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर के निर्देशों के अनुपालन में जनपद पंचायत सभागार नटेरन में प्रोग्राम

एसडीईआरएफ ने नटेरन में आम नागरिकों को दिया नागरिक सुरक्षा का प्रशिक्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा देश की बाह्य एवं आंतरिक परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में आज जनपद पंचायत सभागार नटेरन में विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।

इस सत्र में एसडीईआरएफ (स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स) टीम द्वारा 81 नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में आमजन की सहायता करने के लिए आवश्यक तकनीकी व व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्लाटून कमांडर रश्मि दुबे और एसडीईआरएफ टीम ने आम नागरिकों को सीएसएसआर, एमएफआर, आपदा प्रबंधन, आग, प्राथमिक उपचार, हवाई हमले के बाद बचाव एवं राहत कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

उद्देश्य

प्रशिक्षण का उद्देश्य नागरिकों को विपरीत परिस्थितियों में जागरूक एवं

सक्षम बनाना है, ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर समाज की सेवा में योगदान दे सकें।

जनपद अध्यक्ष श्रीमती संगीता यशपाल रघुवंशी, जनपद सीईओ श्री जितेंद्र सिंह धाकरे, एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह पटेल, एसआई श्री रणवीर सिंह जाट थाना नटेरन मौजूद रहे।

इस दौरान बताया गया कि देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में हवाई हमलों के दौरान की जाने वाली कार्यवाही, आमजन की सहायता करने के संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस जानकारी से सिविल डिफेंस वालेंटियर्स देश सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे।

केकेआर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर, सुनील गावस्कर ने गौतम गंभीर पर कसा तंज

आईपीएल जीत का क्रेडिट कोई और ले गया...श्रेयष ने कोलकाता को बनाया था चैंपियन

नई दिल्ली , एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन शानदार रहा है। पंजाब किंग्स ने अबतक 12 में से 8 मुकाबले जीते हैं और वो प्लऑफ में पहुंच चुकी है। पंजाब किंग्स के इस बेहतरीन परफॉर्मेंस में श्रेयस अय्यर की अहम भूमिका रही है। श्रेयस की कप्तानी शानदार रही है और उनके बल्ले से भी रन निकले हैं।

श्रेयस अय्यर पिछले सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) का हिस्सा थे, जहां उनकी कप्तानी में टीम चैम्पियन बनी थी। देखा जाए तो श्रेयस ऐसे पहले कप्तान हैं, जिन्होंने अपनी कप्तानी में तीन अलग-अलग टीमों को आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचाया है। श्रेयस ने अपनी कप्तानी में पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स से पहले दिल्ली कैपिटल्स को दो बार (2019 और 2020) प्लेऑफ में पहुंचाया था।

अब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एवं महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने श्रेयस अय्यर की तारीफ की है। हालांकि गावस्कर ने इस बहाने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा। गावस्कर ने कहा कि डगआउट में बैठे एक शख्स की वजह से श्रेयस अय्यर को आईपीएल 2024 में खिताबी जीत का क्रेडिट नहीं मिला। बता दें कि आईपीएल 2024 में गौतम गंभीर कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर थे। सुनील गावस्कर ने

स्टार स्पोर्ट्स से कहा, उन्हें पिछले सीजन में आईपीएल जीतने का श्रेय नहीं मिला। सारा क्रेडिट किसी और को दे दिया गया। मैदान पर जो कुछ हो रहा होता है उसमें कप्तान की भूमिका होती है, न कि डगआउट में बैठे किसी इंसान की। इस साल उन्हें उचित श्रेय मिल रहा है। कोई भी सारा क्रेडिट रिकी पोंटिंग को नहीं दे रहा। श्रेयस अय्यर को पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में 26.75 करोड़ रुपये की बड़ी रकम में खरीदा था। पंजाब किंग्स का ये फैसला काफी फायदेमंद साबित हुआ है। श्रेयस अय्यर ने मौजूदा सीजन में कुल 12 पारियों में 48.33 की औसत से 435 रन बनाए हैं, जिसमें चार अर्धशतक शामिल रहे।

श्रेयस-पोंटिंग की रणनीतियां पंजाब के लिए कारगार

श्रेयस अय्यर और टीम के हेड कोच रिकी पोंटिंग की रणनीतियां पंजाब किंग्स के लिए काफी कारगर बैठ रही हैं। दोनों दिल्ली कैपिटल्स में भी एक साथ काम कर चुके हैं, जहां उन्होंने साल 2019 और 2020 के सीजन में टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाया था। 2020 के सीजन में तो दिल्ली की टीम उपविजेता रही थी। अब श्रेयस की कप्तानी और पोटिंग की कोचिंग में पंजाब किंग्स की किस्मत चमक गई है और वो 11 साल बाद प्लेऑफ में पहुंचने में कामयाब रही है।

दोनों ही पिछले कुछ समय से जूझ रहे खराब फॉर्म और फिटनेस समस्याओं से

सिंधू, प्रणय की नजरें मलेशिया मास्टर्स में बेहतर प्रदर्शन पर

कुआलालंपुर, एजेंसी

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे 4,75,000 डॉलर इनामी मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट में जब देश की अगुआई करेंगे तो उन्हें बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। सिंधू और प्रणय दोनों ही पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म और फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं। दोनों ने पिछले महीने सुदीरमन कप में इंडोनेशिया और डेनमार्क के खिलाफ अपने-अपने मैच गंवाए थे जो उनका पिछला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट था। दो सप्ताह के ब्रेक के बाद इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों की नजरें एक्सियाटा एरेना में लय हासिल करने पर टिकी होंगी। विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू अपने अभियान की शुरुआत जापान की नात्सुकी निदाइरा के खिलाफ करेंगी जो विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर हैं।

विश्व रैंकिंग में 35वें स्थान पर खिसक चुके प्रणय को पहले दौर में जापान के पांचवें वरीय केंतो निशिमोतो की कड़ी चुनौती का सामना करना है। महिला एकल में 2024 हाइलो ओपन की उपविजेता मालविका बंसोड़ चीनी ताइपे की चियू पिन-चियान से भिड़ेंगी जबकि ताइपे ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली उन्नति हुड्डा का सामना भी चीनी ताइपे की ही लिन शियांग टी से होगा।

वरदानी के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे कश्यप

आकर्षी कश्यप को इंडोनेशिया की आठवीं वरीय पुत्री कुसुमा वरदानी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करना है। पुरुष एकल में 2023 ओडिशा मास्टर्स और 2024 गुवाहाटी मास्टर्स के चैंपियन सतीश करुणाकरण डेनमार्क के शीर्ष वरीय एंडर्स एंटोनसन से भिड़ेंगे। विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यैंग से होगा जबकि प्रियांशु राजावत सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेंगे।मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो की दुनिया की 19वें नंबर की जोड़ी का सामना क्वालीफायर से होगा जबकि रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गड्डे चौथी वरीयता प्राप्त चीनी जोड़ी गुओ शिन वा और चेन फैंग हुई के खिलाफ शुरुआत करेंगे। असित सूर्या और अमृता प्रमुथेश शीर्ष वरीयता प्राप्त जियांग जेन बैंग और वेई या शिन से भिड़ेंगे।

भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे यह खिलाड़ी

पुरुष युगल में हरिहरन अम्साकरुनन और रुबन कुमार रेथिनासबापति की जोड़ी चुनौती पेश करेगी जबकि महिला युगल में कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी, वैष्णवी खड़केकर और अलीशा खान, प्रेरणा अल्वेकर और मृण्मयी देशपांडे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। क्वालीफायर में किदाम्बी श्रीकांत, एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम और थारुण मन्नेपल्ली पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे जबकि अनमोल खरब और तस्नीम मीर महिला वर्ग में क्वालीफाई करने के इरादे से उतरेंगे।

इनसे है मुकाबला

- विश्व रैंकिंग में 6 वें स्थान पर काबिज सिंधु का मुकाबला जापान की नात्सुकी सेहोगा
- विश्व रैंकिंग में 35 वें स्थान पर काबिज प्रणय का सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त निशिमोतो से होगा
- विश्व रैंकिंग में 6 वें स्थान पर काबिज सिंधु का मुकाबला जापान की नात्सुकी के होगा

प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स दमन-द्वीप में

प्रतिभागिता करेंगें मध्यप्रदेश के 39 खिलाड़ी, खेलमंत्री ने दी शुभकामनाएं

दोपहर मेट्रो, भोपाल

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा देश में पहली बार दिनांक 19 से 24 मई 2025 तक प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स का आयोजन घोघला द्वीप में किया जा रहा है। जिसमें मध्यप्रदेश के 39 खिलाड़ी और 11 आफीशियल्स सहित कुल 50 सदस्यीय दल प्रतिभागिता करेगा। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश दल के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है। प्रथम खेलो इण्डिया बीच गेम्स कुल 08 खेल शामिल है विवरण इस प्रकार है -

1. सेपक ताक्रो, 2. पेंचक सिलाट, 3. बीच कबड्डी, 4. ओपन वॉटर स्विमिंग, 5. बीच व्हॉलीबाल 6. बीच सॉकर शामिल है। प्रतियोगिता में 7. मल्लखम्ब और 8. टग आफ वार डेमो स्पोर्ट्स के रूप में शामिल हैं।

मध्यप्रदेश का दल- मध्यप्रदेश के दल ने बीच सॉकर, पेंचक सिलाट और मल्लखम्ब के लिए क्वालिफिकेशन प्राप्त किया है। मध्यप्रदेश दल के पेंचक सिलाट में 15 खिलाड़ी ,मल्लखम्ब 12 खिलाड़ी और बीच सॉकर में महिला दल में 12 खिलाड़ी इस तरह कुल 39 खिलाड़ी और 11 आफीशियल्स प्रतियोगिता में प्रतिभागिता कर रहे है।

म.प्र. टीम इस प्रकार है

1. पेंचक सिलाट: भूमिका जैन, दिशा रेडडी, निहारिका राजपुरोहित, अनुश्री कुशवाह, पिंकी कोल, रीना गुर्जर, हिमांशी जाट, हर्ष जायसवाल, प्रांजल बुडानिया, ऋषभ जायसवाल, अमित रजक, आसिफ अली, महेन्द्र स्वामी, अजय कैला, सपोर्ट स्टॉफ - बालक वर्ग प्रशिक्षक श्री आशु कुमार और बालिका वर्ग प्रशिक्षक सुश्री जैनब खान, मैनेजर - अवरार अहमद शेख।
2. मल्लखम्ब: तनिश प्रजापति, सोनू कुशवाह, हनी बिकुंदिया, त्रिलाक गौड, मयंक सेन, श्लोक गहलोत,भाव्या मालवीय, तमन्ना गहलोत, सुहानी खरमोला, प्रीति कहार, अन्वेश पांचाल, अनुष्का शर्मा, श्वेता चौहान, अंजली गुप्ता, गायत्री मालवीय, रूपेश कुम्भकर, पियूष पवैया।
3. सॉकर :1.शुभांगी ब्रम्हे, 2. रिंकी ठाकुर, 3. समीक्षा कुमारी, 4. नेहा, 5. मुस्कान प्रजापति, 6. रिंकी लखेरा, 7. दीक्षा साब्ले, 8.प्रिया सिसोदिया, 9.मोहिनी राउत, 10. सयुक्ता कब्बादी, 11. उमा उईके, 12. निलिमा बटटी, प्रशिक्षक 13. आशीष पिल्लई, मैनेजर 14. चेतना धुर्वे और 15. फीजियो महक मोटवानी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

भूत बंगला के सेट पर ही अक्षय कुमार ने ओएमजी 3 की सुन ली कहानी, शेयर किया वीडियो

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने प्रियदर्शन के डायरेक्शन में बनी अपनी अपकमिंग हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला की शूटिंग पूर कर ली है। इसे लेकर अक्षय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो शेयर कर किया है। जिसमें वह एक्ट्रेस वामिका गब्बी के साथ नजर आ रहे हैं। इस गाने की शूटिंग केरल में की गई है। वहीं इस बीच खबर ये निकल कर आ रही है कि इस दौरान अक्षय कुमार के साथ डायरेक्टर अमित राय भी केरल गए थे।

पिंकविला को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अमित के पास ओएमजी3 फिल्म से जुड़े कई आइडिया थे। उन्होंने इस दौरान केरल में अक्षय कुमार के साथ फिल्म की कहानी को लेकर चर्चा की। जानकारी के मुताबिक 2026 में तीसरे पार्ट को फ्लोर पर लाया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक फिल्म प्रोड्यूसर्स ओएमजी और ओएमजी 2 की सफलता के बाद जल्द ही इसका तीसरा पार्ट बनाना चाहते हैं। हालांकि ये एक बड़ी जिम्मेदारी है और इसलिए वे ओएमजी 3 की प्रोसेस को जल्दी से जल्दी पूरा करने की जल्दी में नहीं हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो ओएमजी 3 2026 के मिड में शुरू हो जाएगी। हालांकि ये इस पर डिपेंड करेगा कि स्टोरी कितनी जल्दी पूरी हो जाती है। वहीं जानकारी ये भी निकल कर आ रही है कि फिल्म की कास्टिंग, स्क्रिप्ट तय होने के बाद ही की जाएगी। फिल्म पिछले दो पार्ट की तरह ही होगी। जिसकी

मेट्रो बाजार

भारत में बने स्मार्टफोन ने शीर्ष निर्यात वस्तु पेट्रोलियम और हीरे को भी पछाड़ा

नई दिल्ली। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में स्मार्टफोन निर्यात ने पारंपरिक निर्यात क्षेत्रों जैसे पेट्रोलियम उत्पादों और हीरे को पीछे छोड़ते हुए वित्त वर्ष 2024-25 में देश की शीर्ष निर्यात वस्तु का दर्जा हासिल कर लिया है। पिछले तीन वर्षों में अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात में 5 गुना और जापान को 4 गुना तक की तेज वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का स्मार्टफोन निर्यात .15.57 अरब था, जो 2024-25 में बढ़कर 24.14 अरब हो गया यानी 55त्न की सालाना वृद्धि। यह आंकड़ा वाई-22-23 में .10.96 अरब था। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, यह तेजी से हुआ बदलाव स्मार्टफोन को भारत की शीर्ष निर्यात वस्तु बना रहा है, जो पहली बार

पेट्रोलियम और हीरे जैसे पारंपरिक क्षेत्रों को पीछे छोड़ चुका है।

निर्यात में बड़ी कंपनियों की भूमिका- मार्केट रिसर्च फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, भारत से होने वाले कुल स्मार्टफोन निर्यात में एप्पल और सेमसंग की हिस्सेदारी लगभग 94त्न रही। दोनों कंपनियों ने भारत में अपने लोकल मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन्स का तेजी से विस्तार किया है। 2024 में भारत में बने स्मार्टफोन के शिपमेंट में 6त्न की सालाना वृद्धि दर्ज की गई, और 2025 में दो अंकों की ग्रोथ की संभावना जताई जा रही है।

नीति का प्रभाव- इस उल्लेखनीय वृद्धि के पीछे प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम की अहम भूमिका रही है। इस योजना ने निवेश को आकर्षित किया, देश में स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा दिया, और भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में मजबूती से शामिल किया है। भारत अब न केवल स्मार्टफोन उपभोग में आगे है, बल्कि एक वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के रूप में भी उभर कर सामने आया है।

कंटेंट बैन का सपोर्ट कर बुली हुईं अबीर गुलाल एक्ट्रेस रिद्धि , बोलीं- धमकाने की कोशिश मत कहो

पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान नौ साल बाद फिल्म अबीर गुलाल से बॉलीवुड में वापसी करने वाले थे, लेकिन इस पर ग्रहण लग गया। फिल्म 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, पर अब इस पर भारत में पूरी तरह से बैन लगा दिया गया है। फिल्म में फवाद संग वाणी कपूर और रिद्धि डोगरा भी लीड रोल में थीं।

ऋद्धि डोगरा ने जब फिल्म के खिलाफ आवाज उठाई, तो उन्हें इसके लिए ट्रोल किया गया और ऑनलाइन बदसलूकी का भी सामना करना पड़ा। एक्ट्रेस ने इस बारे में बात की है।

ऋद्धि जम्मू में पैदा हुईं और पली-बढ़ीं हैं। पहलगाम में हुए हमले ने उन्हें भी दुख पहुंचाया था। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने भारत के समर्थन में अपनी बात रखी, लेकिन इसके बाद उन्हें ट्रोल किया जाने लगा। उन्होंने बताया कि मुझे बहुत बुरी तरह ट्रोल किया गया। लोगों ने कहा, ÷अरे, लेकिन इसने तो एक पाकिस्तानी एक्टर के साथ काम किया है,÷ जैसे कि यही बात मुझे पूरी तरह डिफाइन कर देती हो। इसके बावजूद ऋद्धि अपनी सोच पर मजबूती से टिकी रहीं।

रिद्धि ने बातचीत में कहा, ÷मुझे डराने-धमकाने की कोशिश मत करो। मैं भी इस देश की उतनी ही नागरिक हूं जितने आप हैं। जब मैंने वो काम किया था, तब मैंने अपने देश के कानूनों का पूरा ध्यान रखा था। मैंने कुछ भी गैरकानूनी नहीं किया। और आज जब हम ऐसी स्थिति में हैं, तो मुझे लगता है कि मैं अपने देश, अपनी सेना के साथ खड़ी रहना चाहती हूं। और ये मैं इसलिए नहीं कह रही क्योंकि मैं कोई खास इंसान हूं, बल्कि इसलिए कह रही हूं

खतरे में था परिवार, सताई चिंता

रिद्धि ने बताया कि ये बहुत डरावना था। ऋद्धि ने इस बात को लेकर अपनी चिंता और डर जाहिर किया कि कैसे वो दूर बैठकर अपने शहर में हो रही इस स्थिति को देख रही थीं, जब उनका होमटाउन सीधे खतरे में था। उन्होंने कहा, ये बहुत डरावना था। हम लगातार जम्मू में अपने परिवार और अमृतसर में रिश्तेदारों से फोन पर जुड़े हुए थे। वहां पूरा ब्लैकआउट हो गया था। उनके घर की छतों से उन्हें आसमान में अजीब सी रोशनी और उड़ती हुई चीजें दिखाई दे रही थीं। और हम सिर्फ बैठकर इंतजार ही कर सकते थे। ये एक अजीब सी बेबसी का एहसास था। मैं प्रार्थना कर रही थी, रो रही थी, बस यही दुआ कर रही थी कि वहां सब सुरक्षित रहें। उसी वक्त मैं हमारी सेना के लिए गहरा आभार भी महसूस कर रही थी। जो वो बॉर्डर पर कर रहे हैं, हमारे लिए हमारी नींद में भी हमारी रक्षा कर रहे हैं। उसका कर्ज कभी नहीं चुकाया जा सकता। ऐसा डर तो आप अपने दुश्मन के लिए भी नहीं चाहेंगे।

भारत की फार्मा इंडस्ट्री में अप्रैल में 7.8% की वृद्धि, नवाचार और समावेशिता से हुआ ऐसा

नई दिल्ली भारत की फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री वैश्विक मंच पर तेजी से आगे बढ़ रही है। यह विकास किफायती दवाओं, नवाचार और समावेशिता के बल पर हो रहा है। अप्रैल 2025 में इस क्षेत्र ने साल-दर-साल 7.8त्न की वृद्धि दर्ज की है, यह जानकारी इंडिया रेटिंग्स ने दी है।

वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति- 'उत्पादन मात्रा के हिसाब से विश्व में तीसरे स्थान पर। 'मूल्य के आधार पर 14वें स्थान पर। 'जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा वैश्विक आपूर्तिकर्ता, जो दुनिया की 20त्न मांग पूरी करता है। 'यूनिसेफ की वैक्सीन जरूरतों का 55-60 फीसदी भारत से आता है।

'2023-24 में भारत के फार्मा सेक्टर ने ?4,17,345 करोड़ का टर्नओवर हासिल किया, और पिछले 5 वर्षों से लगातार 10त्न से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर बनाए रखी है।

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना देशभर में 15,479 जनऔषधि केंद्र, जहां ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 80 फीसदी तक सस्ती जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना **'15,000 करोड-** कैंसर और मधुमेह जैसी बीमारियों की हाई-वैल्यू दवाओं के उत्पादन के लिए 55 प्रोजेक्ट्स को समर्थन। **'6,940 करोड़:** पेनिसिलिन जी जैसे महत्वपूर्ण एपीआई के घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने के लिए।

75 हजार निवेश करने पर दिया था साढ़े 15 हजार के लाभ का प्रलोभन

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर एडवोकेट से 78 लाख की धोखाधड़ी

78 लाख का निवेश कराने के बाद अपने रुपए निकालने मांगे 65 लाख रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के सीनियर एडवोकेट से शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 78 लाख 25 हजार रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। सायबर जालसाजों ने उन्हें शेयर मार्केट में निवेश कर लाभ कमाने का प्रलोभन दिया और 78 लाख 25 हजार निवेश के नाम पर ठग लिए। आरोपियों ने पहले कम राशि निवेश करवा कर उन्हें अच्छा लाभ दिया था। बड़ी रकम निवेश कराने के बाद जब एडवोकेट ने अपने रुपए निकालने का प्रयास किया तो सायबर जालसों ने 65 लाख रुपए की कर राशि की मांग कर दी। धोखाधड़ी का अहसास होने पर एडवोकेट ने सायबर क्राइम ब्रांच थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि सागर एवेन्यू अयोध्या बायपास निवासी जय शंकर शुक्ला (52) एडवोकेट हैं और जिला न्यायालय में प्रेक्टिस करते हैं। 15 फरवरी 2025 में उन्होंने सायबर क्राइम ब्रांच में शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि 2 दिसंबर 2024 में फेसबुक के माध्यम से उनका एक महिला से संपर्क हुआ। महिला ने अपना नाम सुहानी शर्मा बताते हुए शेयर मार्केट में ट्रेडिंग की बात कही। उसने बताया कि वह शेयर मार्केट में निवेश कराने विशेषज्ञ है। इसके बाद उसने ट्रेडिंग एप और निवेश कर लाभ कमाने की जानकारी दी। उसने टेलीग्राम एप और वाट्सएप ग्रुप के बारे में बताया। महिला ने जय शंकर शुक्ला को एप डाउनलोड कराया। पहली बार एक लाख रुपए की राशि निवेश करने के लिए कहा। उन्होंने पंजीकृत कंपनियों और फर्मों के सभी बैंक खाते दिए और कहा कि यह निवेश के

लिए अधिकृत फर्म है। एडवोकेट शुक्ला को लगा कि सभी खाते सही और प्रामाणिक होंगे। क्योंकि बैंकों ने सभी सूचनाओं की पुष्टि करने के बाद ही खोले हैं। लिहाजा वह संतुष्ट हो गए और निवेश किया। लेन-देन की सीमा के कारण शुक्ला ने फोन-पे के माध्यम से यूपीआई में सिर्फ 75 हजार रुपए चालू खातों में ट्रांसफर किए। चार दिसंबर 2024 को 15 हजार 642 रुपए लाभ के रूप में उनके खाते में जमा किए गए। इसके बाद उन्होंने अधिक रकम निवेश करने और बड़ा लाभ कमाने का भरोसा दिलाया।

फर्जी खातों में रु. कराए ट्रांसफर

प्रलोभन में एडवोकेट शुक्ला ने भारतीय कंपनियों के अलग अलग अकाउंट्स में कुल 78 लाख 25 हजार रुपए की बड़ी राशि निवेश कर दी। उस समय उन्हें पता नहीं था कि बैंक अकाउंट फर्जी हैं और धोखाधड़ी से खोले गए हैं। उन्हें भरोसा दिलाया गया कि वे वास्तविक लेनदार हैं क्योंकि आरबीआई के दिशा-निदेर्शों के अनुसार राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा खाता खोला गया था।

रुपए निकालने के बदले मांगे 65 हजार रुपए

एडवोकेट शुक्ला ने जब कुछ रकम निकालने का प्रयास किया तो उन्हें कहा गया कि रुपए निकालने से पहले 65 लाख रुपए की कर राशि का भुगतान करना पड़ेगा। शुक्ला ने जब आगे की जानकारी या स्पष्टीकरण मांगा तो सुहानी शर्मा नामक महिला टाल-मटोल करने लगी और जोर देकर कहा कि आपको आगे बड़ने से पहले यह शुल्क जमा करना पड़ेगा। रकम निकालने के कई प्रयास के बाद भी जब राशि नहीं निकली तो शुक्ला को अहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है।

अर्टिगा कार और बस में आमने-सामने भिड़ंत

युवती व ड्राइवर की मौत

बैरसिया में नरेला पेट्रोल पंप और बाल विहार स्कूल के बीच हुआ हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना क्षेत्र में भोपाल बैरसिया रोड पर अर्टिगा कार और यात्री बस की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार सवार युवती और ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि कार में बैठा युवती का भाई गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल का भोपाल में निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों का पीएम करा दिया है।

पुलिस के अनुसार अश्विनी बागरी पिता अशोक बागरी (25) पचमढी, जिला नर्मदापुरम की रहने वाली थी। उनके बहनोई सचिन रत्नकार बैरसिया में रहते हैं। सोमवार को अश्विनी अपने भाई नैतिक बागरी और ड्राइवर रोहन ठाकुर पिता मंगल सिंह ठाकुर (22) निवासी पचमढ़ी के साथ बैरसिया जा रही थी। कार ड्राइवर रोहन ठाकुर चल रहा था। सुबह करीब 11 बजे के आसपास कार नरेला पेट्रोल और बाल विहार स्कूल के बीच पहुंची ही थी कि सामने से आ रही बस ने उनकी कार को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार ड्राइवर रोहन ठाकुर और अश्विनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नैतिक को गंभीर अवस्था में भोपाल रेफर किया गया है। वहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

खस्ताहाल बस की जानकारी जुटा रही पुलिस

जिस बस ने अर्टिगा कार को टक्कर मारी है। उसमें नेशनल लिखा हुआ है और बस काफी पुरानी है। अब पुलिस बस मालिक को बुलाकर बस का परमिट चेक करेगी। दरअसल बस को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि वह काफी पुरानी है। उसका फिटनेश और बीमा है या नहीं इसकी जांच की जा रही है।

बस में सवार दो यात्री भी घायल

हादसे के समय अर्टिगा कार और बस दोनों ही रफ्तार में थे। लिहाजा टक्कर होते ही अर्टिगा कार का अगला हिस्सा बोनट के पास से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है। बस का अगला हिस्सा भी कंडक्टर साइड से क्षतिग्रस्त हुआ है। बस में सवार दो यात्रियों को इस हादसे में चोट आई है। बताया जाता है कि हादसे के समय यात्री कैबिन में बैठे थे।

गांधी नगर में छात्र का मोबाइल झपटा, 7 दिन बाद एफआईआर

भोपाल। गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित आशाराम चौराहे पर पिता को छोडड़े के लिए बस का इंतजार कर रहे छात्र के हाथ से बाइकसार बदमाशों ने मोबाइल झपट लिया। पुलिस ने घटना के एक सप्ताह बाद झपटमारी का प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक विजय नगर लालघाटी निवासी अभिषेक लालवानी पुत्र भीष्म लालवानी (19) पड़ाई करता है। विगत 10 मई को वह आशाराम चौराहे गांधी नगर में अपने पिताजी को छोडड़े के लिए बस का इंतजार कर रहा था। उसी समय काले रंग की बाइक पर सवार होकर आए दो लडकों में से एक लडके ने उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया और फरार हो गए। पुलिस ने घटना के करीब एक सप्ताह बाद झपटमारी का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

चार दिन से लापता युवक की पुलिया के नीचे मिली लाश, गिरने से मौत की आशंका

दिमागी संतुलन ठीक नहीं था, पुलिस को पीएम रिपोर्ट का इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नजीरबाद थाना क्षेत्र स्थित मंगलगड़ मेन रोड पर पुलिया के नीचे चार दिन से लापता युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। उसके सिर में गंभीर चोट के निशान हैं। पुलिस का कहना है कि पुलिया से नीचे गिरने से सिर में चोट लगी है। युवक चार दिन से लापता था और उसकी दिगामी हालत भी पूरी तरह से ठीक नहीं थी। पुलिस को शार्ट पीएम रिपोर्ट का इंतजार है। मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी कृष्णा ठाकुर ने बताया कि मंगलगड़ रोड पर पुलिया के नीचे रविवार शाम एक युवक की लाश पड़ी होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा बनाकर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल पार्टी को भी बुला लिया गया था। घटना के कुछ समय बाद मृतक की शिनाख्त लखपत गुर्जर (30) निवासी ग्राम कड़ैयाखेड़ा, के रूप में परिजनों ने की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि उनका परिवार खेती-किसानी करता है। लखपत गुर्जर की दिमागी संतुलन ठीक नहीं था। वह अक्सर बिना बताए घर से गायब हो जाता था और तीन-चार दिन में लौट आता था। इस बार भी जब वह गायब हुआ तो परिजनों ने सेचा कि वह अपने आप लौट आएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के सिर में चोट लगी है। संभवतः मौत चोट लगने से हुई है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि युवक पुलिया के ऊपर सोया होगा। उसी दौरान लुढकने से वह करीब 12 फिट ऊंची पुलिया से नीचे आ गिरा। शार्ट पीएम रिपोर्ट आने पर मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

सूने मकान में मिली डिकंपोज बॉडी, बीस दिन से बंद था मकान

भोपाल। बैरागड़ थाना क्षेत्र स्थित पीएनबी रोड पर सोमवार दोपहर बंद मकान में बुजुर्ग की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। लाश करीब बीस दिन पुरानी होने के कारण बुरी तरह से डिकंपोज हो चुकी थी। पुलिस ने अहमदाबाद में रहने वाले उनके भतीजे को घटना की जानकारी दे दी है। वह अहमदाबाद से भोपाल के लिए निकल गया है। उसकी मौजूदगी में शव का पीएम कराया जाएगा। एसआई अमन नायक ने बताया कि कन्हैयालाल शोभानी (60) पीएनबी रोड, बैरागड़ में रहते थे। पूर्व में वह चाय की दुकान चलाते थे, लेकिन दो साल से उन्होंने दुकान बंद कर दी। वह अविवाहित थे और अकेले ही यहां रहते थे। उनका भतीजा अहमदाबाद में जॉब करता है और कन्हैयालाल को भरण पोषण के लिए पैसे भेजता था। पड़ोसियों ने सोमवार दोपहर करीब डेड़ बजे पुलिस को सूचना दी थी कि कन्हैयाल शोभानी करीब बीस दिन से नजर नहीं आए हैं और उनके घर से तेज बदबू आ रही है। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तुड़वाया गया। इस दौरान कन्हैयालाल का शव पलंग पर डिकंपोज मिला।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसा बाइक सवार, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित नीलबड़ चौराहा से कुछ दूरी पर पुलिया के पास सोमवार दोपहर सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली में घुसने से बाइक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। ट्रैक्टर ट्रॉली में घुसने से पूर्व वह सड़क किनारे खड़े आटो से भी टकराया था। पुलिस ने बाइक सवार युवक का शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार अजीत उईके पिता ओमकार उईके (26) नाथू बरखेड़ा में रहता था। वह मूलत- छिंदवाड़ा जिले के परासिया तहसील के एक गांव का रहने वाला है। यहां पिता के साथ रह रहा था और बंसल कंपनी में मजदूरी कर रहा था। इन दिनों बंसल कंपनी रातीबड़ में स्टेडियम का निर्माण करा रही है, वहीं अजीत का काम चल रहा था। करीब दो दिन से वह काम पर नहीं जा रहा था और अत्यधिक शराब पी रहा था। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे वह बाइक से नाथू बरखेड़ा जा रहा था। नीलबड़ चौराहा पार करने के बाद उसने सड़क किनारे खड़े आटो को टक्कर मारी फिर सामने खड़े ट्रैक्टर में जा घुसा। इस हादसे में उसे सिर में गंभीर चोट आई थी।

उसे एंबुलेंस जय प्रकाश लेकर पहुंची, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

टूटे रैंप से बसों में चढ़ने को मजबूर यात्री, जांच होगी

भोपाल। आईएसबीटी स्थित बस स्टैंड पर बना रैंप काफी समय से टूटा हुआ है। इससे आने-जाने वाले यात्रियों को परेशानी हो रही है। यहां रोजाना हजारों की तादाद में यात्री ट्रैवल करते हैं। लेकिन रैंप टूटा होने की वजह से लोगों चढ़ने में परेशानी होती है। इसके चलते यहां फिसलन भी रहती है। यहां सीढ़ी नहीं है, उसकी जगह लोगों ने सीमेंट की बोरियां रख दी हैं। इससे यात्रियों के गिरने की आशंका रहती है। मामले में संज्ञान लेकर मप्र मानव अधिकार आयोग ने नगर निगम आयुक्त से मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

मेट्रो एंकर शराब खरीदते समय भीड़ में लगा धक्का, बोतल टूटने पर हुआ था विवाद

शराब की दुकान के पास अड़ीबाजी, तीन दोस्तों पर टूटी बीयर की बोतल से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अयोध्या नगर बायपास स्थित शराब की दुकान पर दो बदमाशों ने तीन युवकों पर बीयर की टूटी हुई बोतल से हमला कर दिया। इस हमले में तीनों को गंभीर चोट आई है। दरअसल, आरोपी शराब की दुकान पर बीयर खरीद रहे थे, तभी किसी का धक्का लगा और उनके हाथ से गिरकर बीयर की बोतल टूट गई। आरोपियों ने युवक पर आरोप लगाते हुए टूटी हुई बीयर की बोतलों के बदले पांच सौ रुपए मांगे थे। विवाद बड़ने पर आरोपियों ने टूटी हुई बीयर की बोतल से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार आकाश रावत पिता सूरज रावत (18) काकडा क्रशर बस्ती, अयोध्यानगर में रहता है और प्राइवेट काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि रविवार रात करीब साड़े 9 बजे वह अयोध्या बायपास स्थित शराब की दुकान पर शराब खरीदने गया था। वहां संदीप लोधी और उसका एक साथी शराब की दुकान के सामने खड़े थे। दोनों के हाथ मे बीयर की बोतल थी। भीड़ होने के कारण किसी का धक्का लगा और संदीप के हाथ में रखी बीयर की बोतल नीचे गिरकर टूट गई।

बीयर के पैसे देने पांच सौ रुपए की अड़ीबाजी

आकाश ने बताया कि बीयर की बोतल टूटने संदीप और उसका साथी कहने लगा कि शरा पीने के लिए पांच सौ रुपए दे दो। आकाश ने रुपए नहीं होने की बात कही तो आरोपी गालीगलौज करने लगे। वह कहने लगे कि तुझे पैसे तो देने पड़ेंगे। आकाश ने गाली गलौज करने और पैसे देने से मना किया तो संदीप लोधी ने टूटी बीयर की बोतल से आकाश के सीने व हाथ पर हमला कर दिया। टूटी बोतल लगने से खून निकलने लगा। आकाश वहां से अपने घर काकड़ा क्रशर बस्ती

जाने लगा तो आरोपियों ने रास्ते में रो कलया और संदीप लोधी के साथी ने पीछे से आकर उसकी गर्दन पर टूटी हुई बोतल मार दी। उसे बचाने दोस्त नवल रावत व प्रकाश रावत ने बीच बचाव किया तो संदीप लोधी ने टूटी हुई बीयर की बोतल से नवल रावत के सीने पर और प्रकाश रावत के पेट पर हमला कर दिया। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

शराब पीकर पहुंचे बुजुर्ग ने घर के मुख्य गेट पर लगाई फांसी

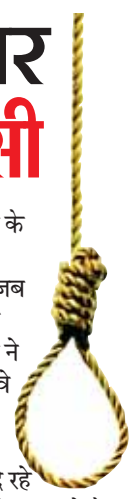

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र स्थित राजवैद्य कॉलोनी तीन प्लाट इलाके में 60 साल के बुजुर्ग ने घर के मुख्य गेट पर कुंदे में फांसी लगा ली। वे शराब पीकर घर पहुंचे थे। पत्नी ने उन्हें शराब नहीं पीने की समझाइश दी तो वह भड़क गए और कहने लगे कि फांसी लगा लूंगा। उनकी पत्नी का कहना है कि जब भी उन्हें किसी भी गलत काम के लिए टोका जाता था तो फांसी लगाने की बात करते थे। पुलिस के अनुसार हीरालाल अहिरे (60) राजवैद्य कॉलोनी तीस प्लॉट इलाके में रहते थे। दरअसल, शासन ने यहां तीस प्लाट साड़े 4 सौ वर्गफीट के काटे थे। इसी प्लॉट पर हीरालाल ने मकान बना लिया था। वे पुताई के ठेके लेते थे। परिवार में बेटा और पत्नी है। रविवार शाम करीब साड़े 4 बजे के आसपास वह शराब पीकर घर पहुंचे थे। पत्नी ने उन्हें कहा कि आज फिर शराब पीकर आ गए तो वह भड़क गए और कहने लगे कि फांसी लगा लूंगा। पत्नी को लगा कि हर बार की तरह वह केवल धमकी ही दे रहे हैं। वह मोहल्ले की दुकान में दूध खरीदने चली गई। वहां स लौटी तो हीरालाल को उन्होंने गेट के कुंदे पर गमछे के सहारे फांसी के फंदे पर लटका देखा। इसके बाद शोर मचाकर फंदे से उतारा और निजी अस्पताल ले गई। उस समय तक उनकी सांसे चल चल रही थी, लेकिन कुछ देर चले इलाज के बाद उनकी मौत हो गई।

बीमारी और आर्थिक तंगी से परेशान महिला ने लगाई फांसी

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित राजीव नगर झुग्गी में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि वह मजदूरी करती थी और ब्लड प्रेशर सहित मधुमेह की बीमारी से परेशान थी। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार सवाना बी पति शेख रफीक (36) राजीव नगर झुग्गी में रहती थी। वह पति के साथ मजदूरी करने जाती थी। सोमवार सुबह पति मजदूरी करने गया था, जबकि सवाना घर पर अकेली थी। इसी दौरान उसने फांसी लगा ली। पड़ोसियों ने उसे फांसी के फंदे पर लटका देखा था। इसके बाद पति को बुलाया गया। इधर सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। पति रफीक ने बताया कि उनकी बेटी थी और वह उसकी शादी कर चुके हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022